संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 339
पृष्ठ 8
मंगलवार
02 सितंबर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- आंखों में दर्द होने पर...

विचार- स्त्रियों को शास्त्रकार बनाने हेतु...

खेल- द्रविड़ को बाहर का रास्ता दिखाया...

आतंकवाद साझा चुनौती, इस पर दोहरा मापदंड मंजूर नहीं : मोदी

तियांजिन, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आतंकवाद , अलगाववाद और उग्रवाद को विकास की राह में बड़ी बाधा करार देते हुए कहा कि शंघाई सहयोग संगठन(एससीओ) के सभी सदस्य देशों को इस मुद्दे पर दोहरा मापदंड छोड़कर मानवता के खिलाफ इस साझा चुनौती का एकजुट होकर विरोध करने के अपने दायित्व को निभाना होगा। श्री मोदी ने सोमवार को यहां शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के राष्ट्र प्रमुखों के 25 वें शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए आतंकवाद के मुद्दे पर पूरी मजबूती के साथ भारत का पक्ष रखते हुए कहा कि सुरक्षा, शांति और स्थिरता किसी भी देश के विकास का आधार होते हैं लेकिन आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद इस राह में बड़ी चुनौतियाँ हैं। उन्होंने कहा कि आतंकवाद सिर्फ किसी देश की सुरक्षा ही नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए एक साझा चुनौती है। कोई देश, कोई समाज, कोई नागरिक अपने आप को इससे सुरक्षित नहीं समझ सकता। इसीलिए आतंकवाद से लड़ाई में भारत ने हमेशा एकजुटता पर बल दिया है। श्री मोदी ने कहा कि भारत पिछले चार दशकों से निर्मम आतंकवाद का दंश झेल रहा है। कितनी ही माताओं ने अपने बच्चे खोए और कितने बच्चे अनाथ हो गए। पहलगाम आतंकवादी हमले को आतंकवाद का घिनौना चेहरा बताते हुए उन्होंने कहा, " हाल ही में, हमने पहलगाम में आतंकवाद का बहुत ही घिनौना रूप देखा। इस दुरूख की घड़ी में, जो मित्र देश हमारे साथ खड़े रहे, मैं उनका आभार व्यक्त करता हूँ। यह हमला केवल भारत की अंतरात्मा पर ही आघात नहीं था, यह मानवता में विश्वास रखने वाले हर देश, हर व्यक्ति को खुली चुनौती थी।" आतंकवाद का समर्थन करने वाले देशों का नाम लिए बिना उन्होंने इन देशों को कठघरे में खड़ा करते हुए कहा, "ऐसे में प्रश्न उठना स्वाभाविक हैः क्या कुछ देशों द्वारा आतंकवाद का खुलेआम समर्थन हमें स्वीकार्य हो सकता है?" श्री मोदी ने आतंकवाद के मुद्दे पर दोहरा मापदंड अपनाने वाले देशों को भी आड़े हाथों लेते हुए कहा कि आतंकवाद का विरोध करना सभी का दायित्व है और इस मुद्दे पर दोहरा मापदंड मंजूर नहीं होगा। उन्होंने कहा," हमें स्पष्ट रूप से, और एक स्वर में, कहना होगा कि, आतंकवाद पर कोई भी दोहरा मापदंड स्वीकार्य नहीं होगा। हमें मिलकर, आतंकवाद का हर रंग में, हर रूप में, विरोध करना होगा। ये मानवता के प्रति हमारा दायित्व है।" आतंकवाद के वित्त पोषण के खिलाफ भारत की मुहिम का उल्लेख करते हुए कहा," भारत ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एकता पर ज़ोर दिया है... भारत ने संयुक्त सूचना अभियान का नेतृत्व करके अल–कायदा और उससे जुड़े आतंकवादी संगठनों से लड़ने की पहल की। हमने कट्टरपंथ के विरुद्ध समन्वय बढ़ाने और मिलकर कदम उठाने का भी प्रस्ताव रखा। हमने आतंकवाद के वित्तपोषण के खिलाफ आवाज़ उठाई। इसमें आपके सहयोग के लिए मैं आभार व्यक्त करता हूँ।''

गंभीर बीमार बंदियों की समयपूर्व रिहाई के नियम होंगे सरल : योगी

● सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुरूप पारदर्शी नीति बनाने पर मुख्यमंत्री का जोर

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गंभीर बीमारियों से ग्रसित बंदियों की समयपूर्व रिहाई से संबंधित नियमों को और अधिक सरल, स्पष्ट तथा मानवीय दृष्टिकोण से परिभाषित किए जाने की आवश्यकता जताई। आज सोमवार को कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाओं की समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का अनुपालन करते हुए प्रदेश की नीति को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाया जाना चाहिए। पात्र बंदियों की रिहाई स्वतः विचाराधीन होनी चाहिए और इसके लिए उन्हें आवेदन न करना पड़े। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि प्राणघातक रोग से पीड़ित होने की आशंका वाले सिद्धदोष बंदी, जिसे मुक्त करने पर उसके स्वस्थ होने की उपयुक्त संभावना है, वृद्धावस्था, अशक्तता या बीमारी के कारण भविष्य में ऐसा अपराध करने में स्थायी रूप से असमर्थ बंदी, जिसके लिये वह दोषी ठहराया गया हो के साथ घातक बीमारी या किसी प्रकार की अशक्तता से पीड़ित सिद्धदोष बंदी जिसकी मृत्यु निकट भविष्य में होने की संभावना हो, के संबंध में प्रदेश के सभी कारागारों में सर्वेक्षण कर वास्तविक संख्या का आकलन किया जाए। इनमें महिलाओं, बुजुर्गों को प्राथमिकता के आधार पर रिहा करने की व्यवस्था हो। कैदियों को कृषि, गोसेवा आदि कार्यों से जोड़कर उनकी जेल अवधि के सदुपयोग करने के लिए व्यवस्था बनाने की आवश्यकता बताई। जेल मैनुअल में परिभाषित किया जाना आवश्यक है कि किन बीमारियों को असाध्य रोग की श्रेणी में रखा जाएगा। समाज की सुरक्षा सर्वोपरि है। समयपूर्व रिहाई उन्हीं मामलों में की जानी चाहिए, जहाँ से सामाजिक जोखिम न हो।

जम्मू में बाढ़ से मची तबाही, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ग्राउंड जीरो पर पहुंचकर हालात का किया आकलन

जम्मू, एजेंसी। जम्मू में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राजभवन में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक के बाद, जिसमें विपक्ष के नेता सुनील शर्मा भी मौजूद थे, शाह जिले के सबसे अधिक प्रभावित गांव मंगूचक सहित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करेंगे।

सिन्हा और उमर अब्दुल्ला के साथ, शाह बिक्रम चौक के पास तवी पुल पर रुके और नदी के किनारे हुए नुकसान का निरीक्षण किया। वह बाढ़ की स्थिति और राहत कार्यों का आकलन करने के लिए रविवार रात जम्मू पहुँचे थे। 14 अगस्त से किश्तवाड़, कठुआ, रियासी और रामबन जिलों में बादल फटने, भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ में 130 से ज़्यादा लोग मारे गए हैं और 33 लापता हैं। 26–27 अगस्त के दौरान रिकॉर्ड बारिश के कारण जम्मू और अन्य मैदानी इलाकों के निचले इलाकों में अचानक बाढ़ आ गई, जिससे बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा। मृतकों में 34 तीर्थयात्री शामिल हैं, जो 26 अगस्त को माता वैष्णो देवी मंदिर जाते समय हुए भूस्खलन की चपेट में आ गए थे। खराब मौसम और मार्ग पर सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण वैष्णो देवी यात्रा सोमवार को सातवें दिन भी स्थगित रही। कटरा स्थित आधार शिविर वीरान पड़ा रहा और कुछ ही तीर्थयात्री यात्रा बहाल होने का इंतज़ार कर रहे थे। सोमवार सुबह मौसम में थोड़ा सुधार देखा गया, जिससे यात्रा जल्द शुरू होने की उम्मीद जगी है। हालाँकि, अधिकारियों ने कहा कि स्थिति पर कड़ी नज़र रखी जा रही है और संबंधित एजेंसियों से मंजूरी मिलने के बाद ही आवाजाही की अनुमति दी जाएगी।

वसूली रोकने पर देवरिया स्टेशन पर किन्नरों का आतंक, आरपीएफ इंस्पेक्टर को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

देवरिया, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के देवरिया सदर रेलवे स्टेशन पर रविवार, 31 अगस्त की देर रात ट्रांसजेंडरों ने जमकर हंगामा किया। उन्होंने रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर एक आरपीएफ इंस्पेक्टर पर हमला कर दिया और उसकी पिटाई कर दी, जब अधिकारियों ने उन्हें ट्रेन यात्रियों से अवैध वसूली करने के आरोप में अगवा कर लिया था। खबर है कि पुलिस ने दो हमलावरों को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की जानकारी का इंतज़ार है। घटना का एक वीडियो वहाँ मौजूद लोगों ने रिकॉर्ड कर लिया और अब इंटरनेट पर वायरल हो रहा है। स्टेशन पर आस–पास के विक्रेताओं और बहादुर यात्रियों ने हिंसक हमले का सामना किया और आरपीएफ इंस्पेक्टर को बचाया। रविवार देर रात आरपीएफ इंस्पेक्टर आस मोहम्मद अपने सहयोगियों के साथ देवरिया रेलवे स्टेशन पर अवध असम एक्सप्रेस ट्रेन की चेकिंग कर रहे थे। कुछ यात्रियों ने इंस्पेक्टर से किन्नरों द्वारा अवैध वसूली की शिकायत की। यात्रियों ने यह भी बताया कि पैसे न देने पर किन्नर दुर्व्यवहार करते हैं। यात्रियों की शिकायत पर इंस्पेक्टर ने स्टेशन पर घूम रहे किन्नरों को यात्रियों से पैसे न वसूलने की हिदायत दी और चेतावनी दी कि अगर आगे शिकायत मिली तो कार्रवाई की जाएगी।

वोट चोरी का अब तक का खुलासा एटम बम है, अगला खुलासा हाइड्रोजन बम होगा : राहुल गांधी

पटना, एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने आज को कहा कि अभी तक हुआ वोट चोरी का खुलासा तो एटम बम था अब आगे जिस खुलासे को उनकी पार्टी सामने लाने वाली है वह हाइड्रोजन बम होगा जिसके बाद चुनाव आयोग और भाजपा मुंह दिखाने लायक नही रहेगी। श्री गांधी ने बिहार में सोमवार को समाप्त हुई वोटर अधिकार यात्रा के समापन समारोह में कहा कि महाराष्ट्र के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के गठबंधन को जीत मिली थी लेकिन चार महीने बाद हुए विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के गठबंधन ने उन्हें बुरी तरह हरा दिया। उन्होंने कहा कि ताज्जुब की बात थी कि कांग्रेस गठबंधन के वोट कम नही हुए थे लेकिन विपक्षी गठबंधन के वोट काफी बढ़ गए थे। उन्होंने कहा कि बाद में उनकी पार्टी ने जांच की तो पता चला कि महाराष्ट्र में करोड़ो फर्जी वोट भाजपा और चुनाव आयोग कि मिलीभगत से जोड़े गए हैं। श्री गांधी ने कहा कि ऐसा ही बेंगलुरु सेंट्रल की एक विधानसभा सीट पर हुआ और हमारी तरफ से जांच की गई तो पता चला कि एक लाख फर्जी वोट जोड़े गए हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि इसके बाद जब बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान 65 लाख वोट काट लिए गए तो चुनाव आयोग की चोरी जगजाहिर हो गयी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगियों की वोटर अधिकार यात्रा का जन्म यहीं से हुआ। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष श्री गांधी ने कहा कि जिन शक्तियों ने महात्मा गांधी की हत्या की थी वही अब बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर के संविधान की हत्या करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि वोट का अधिकार सुरक्षित नही रहेगा तो दूसरे अधिकार, रोजगार शिक्षा और युवाओं का भविष्य भी सुरक्षित नही रहेगा। उन्होंने कहा कि यह सरकार अडानी, अम्बानी और अमीरो को फायदा पहुंचाने के लिए गरीबो की जमीन और नागरिक अधिकार छीन लेगी। श्री गांधी ने बिहार के लोगो को उत्साह से वोटर अधिकार यात्रा में भाग लेने और देश की राजनीति को नई दिशा देने के लिए धन्यवाद दिया।

मराठा आंदोलन पर बॉम्बे HC सख्त, हुआ सभी शर्तो का उल्लंघन, एक्शन ले सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। मराठा समुदाय के लिए आरक्षण की मांग को लेकर मुंबई के आज़ाद मैदान में विरोध प्रदर्शन कर रहे मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जारंगे की बॉम्बे हाईकोर्ट ने कड़ी आलोचना की हैं। हाईकोर्ट ने कहा कि जारंगे के नेतृत्व वाला विरोध प्रदर्शन शांतिपूर्ण नहीं था और इसमें उन सभी शर्तों का उल्लंघन किया गया था जिनके तहत उन्हें अनुमति दी गई थी। अदालत ने कहा कि पूरा शहर ठप्प हो गया था और दक्षिण मुंबई के प्रमुख स्थानों को प्रदर्शनकारियों ने घेर लिया था। न्यायमूर्ति रवींद्र घुगे और न्यायमूर्ति गौतम अंखड की एक विशेष पीठ ने आरक्षण विरोध के खिलाफ एमी फाउंडेशन द्वारा दायर मामले की विशेष सुनवाई की। जारंगे ने मराठा समुदाय के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण की मांग को लेकर शुक्रवार को अपना विरोध प्रदर्शन शुरू किया। उन्होंने मराठों को कुनबी (अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी में शामिल एक कृषक जाति) के रूप में मान्यता देने की मांग की, जिससे वे सरकारी नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण के पात्र हो सकें।

मोदी का चीन को भारत की तरह आतंकवाद से पीड़ित देश बताना गलत : कांग्रेस

नयी दिल्ली,01 सितंबर (वार्ता) कांग्रेस ने कहा है कि चीन ने हमेशा पाकिस्तान के आतंकवादियों का समर्थन किया है और इसे देखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का चीन को भारत की तरह आतंकवाद से पीड़ित देश बताने वाला बयान अनुचित है। कांग्रेस ने कहा कि श्री मोदी ने रविवार को तियानजिन में राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ मुलाकात में चीन को भारत की तरह आतंकवाद से पीड़ित देश बताया है, यह एक तरह से चीन के सामने झुकने वाला बयान है। पार्टी के संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने सोमवार को यहां एक बयान में कहा कि भारत लंबे समय से चीन पर आतंकवाद के मुद्दे पर श्दोहरे मानदंडश और श्दोहरी भाषाश बोलने का आरोप लगाता रहा है लेकिन अब प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति शी जिनपिंग से कहा है कि भारत और चीन, दोनों आतंकवाद के शिकार हैं। उन्होंने इसे चीन के सामने झुकने वाला बयान बताया और कहा ष्अगर यह तथाकथित हाथी का तथाकथित ड्रैगन के आगे झुकना नहीं है, तो फिर क्या है। इससे भी ज़्यादा राष्ट्र– विरोधी बात यह है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन और पाकिस्तान की जुगलबंदी के बारे में प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ बातचीत में एक शब्द तक नहीं कहा –जबकि इसका खुलासा खुद भारतीय सेना के शीर्ष अधिकारियों ने किया था।ष कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री पर हमला करते हुए कहा कि स्वघोषित 56 इंच सीने वाले नेता अब पूरी तरह से बेनकाब हो चुके हैं। उन्होंने 19 जून, 2020 को चीन को क्लीन चिट देकर राष्ट्रहित के साथ विश्वासघात किया। अब, 31 अगस्त, 2025 भी तियानजिन में उनके बयान को बदनामी के दिन के रूप में याद किया जाएगा।

भाषण, देशभक्तिगीत, लोकनृत्य प्रतियोगिता में बिखरा जलवा

प्रयागराज। प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय में आयोजित दीक्षोत्सव के पूर्व समायोजित विभिन्न सांस्कृतिक एवं साहित्यिक प्रतियोगिताओं का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो आशुतोष कुमार सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इन प्रतियोगिताओं में छात्रों ने बड़े उत्साह एवं उमंग के साथ भाग लिया। कार्यक्रम के अंतर्गत लोकनृत्य, देशभक्ति गीत तथा भाषण प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। लोकनृत्य प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने भारतीय संस्कृति और परंपरा की झलक प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। देशभक्ति गीत प्रतियोगिता में छात्र–छात्राओं ने अपनी ओजस्वी वाणी और मधुर स्वर से राष्ट्रप्रेम की भावना को प्रखर किया।भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने सामाजिक और राष्ट्रीय मुद्दों पर अपने सारगर्भित विचार रखकर सबका ध्यान आकृष्ट किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो आशुतोष कुमार सिंह ने छात्र–छात्राओं के उत्साह और प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से युवाओं में सृजनात्मकता, आत्मविश्वास और देशभक्ति की भावना का विकास होता है। डॉ. पीयूष मिश्र एवं डॉ. प्रिया झा ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम संयोजिका डॉ. अलका मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापन किया। समारोह में डॉ. अलका मिश्रा, डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी, डॉ. कविता गौतम, डॉ. दिव्या द्विवेदी, डॉ. सौरभ द्विवेदी, डॉ.भावना कुमारी, डॉ. सोनम राय, डॉ. श्वेता शाही, डॉ. गरिमा सिंह, डॉ विशाल कुमार सिंह इत्यादि शिक्षकगण सहित सैकड़ों विद्यार्थी सम्मिलित रहे।

भाकियू ने युवराज सिंह को बनाया मोरना ब्लॉक् उपाध्यक्ष

मोरना। गांव अथाई में भारतीय किसान यूनियन टिकैत द्वारा एक सभा का आयोजन किया गया जिसमें संगठन को मज़बूत बनाने, किसानो की समस्याओं व किसानो के हितो के लिए कार्य करने बल दिया गया साथ ही युवराज सिंह को ब्लॉक् उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया। अथाई गांव मे नवनियुक्त ब्लॉक् उपाध्यक्ष युवराज सिंह के आवास पर आयोजित सभा मे भाकियू जिलाध्यक्ष नवीन राठी ने कहा की भाकियू की पहचान किसान के लिए संघर्ष से बनी है।साढ़े तीन दशक से भी अधिक समय से भाकियू

किसानो के अधिकार और सम्मान की लड़ाई प्रभावी रूप से लड़ रही है। पूंजी पति समाज किसान और मजदूर को बांटने की साजिश कर उनके शोषण की योजना बनाता रहता है।कठिन परिश्रम के बावजूद किसानो पर कर्ज का बोझ बढ़ता जा रहा है। और पूंजीपति निरंतर धनाडय हो रहा है।समय रहते हमें पूजीपतियों की साजिशो से सतर्क और सावधान रहना है।भाकियू कार्यकर्ता किसानो को एकजुट कर सतर्क सावधान करने का काम करें। वहीं युवराज सिंह ने कहा कि बुजुर्गो के निर्देशन में किसान यूनियन टिकैत को मजबूत बनाने के लिए वह दिन–रात मेहनत करेंगे ज्यादा से ज्यादा युवाओं को किसान यूनियन टिकैत में जोड़ा जाएगा बाबा महेंद्र सिंह टिकैत की नीतियों को जन–जन तक पहुंचाने का वह निरंतर कार्य करेंगे। इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष अनुज राठी ,राजू पिनना मनीष अहलावत, दलबीर सिंह, प्रवीण कुमार, इंद्रवीर सिंह ,अरविंद कुमार ,मिंटू ,राजेश ,ओमवीर सिंह ,विपुल, नमन चौधरी, सत्येंद्र सिंह, कुलदीप आदि उपस्थित रहे।

खतौली की बेटी अनू ने फिर बढ़ाया जिले का मान, पाँचवीं बार किया रक्तदान

मुज़फ्फरनगर/खतौली। जनपद मुज़फ्फरनगर की तहसील खतौली के गाँव मीरापुर खुर्द की बेटी और दिल्ली पुलिस की सिपाही अनू ने इंसानियत की एक और अनोखी मिसाल पेश की है। दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में उन्होंने एक ज़रूरतमंद लड़की की जान बचाने के लिए पाँचवीं बार रक्तदान किया।

उनके इस सराहनीय कदम की गूंज पूरे जिले में सुनाई दे रही है और लोग उन्हें "समाज सेवा की प्रेरणा" और "मानवता की सच्ची प्रहरी" कहकर सम्मानित कर रहे हैं। साधारण किसान परिवार से निकलकर पुलिस सेवा तक का सफर तय करने वाली अनू ने साबित किया है कि बेटियाँ यदि संकल्प ले लें, तो किसी भी क्षेत्र में नयी ऊँचाइयाँ छू सकती हैं। वर्दी में रहकर जहाँ वे जनता की सुरक्षा कर रही हैं, वहीं निस्वार्थ भाव से समाज सेवा में भी योगदान दे रही हैं। रक्तदान के बाद अनू ने कहा दृ "किसी का जीवन बचाना मेरे लिए सबसे बड़ा सुख है। हर स्वस्थ व्यक्ति को नियमित रक्तदान करना चाहिए ताकि किसी भी परिवार को अपने प्रियजन को रक्त की कमी के कारण न खोना पड़े।" गाँव और जिले के लोगों ने गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि अनू जैसी बेटियाँ समाज की शान हैं। स्थानीय सामाजिक संगठनों ने भी उनकी इस पहल की सराहना करते हुए युवाओं से अपील की कि वे रक्तदान जैसे नेक कार्यों में आगे आएँ। सिपाही अनू का यह पाँचवाँ रक्तदान केवल एक जीवन बचाने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह पूरे मुज़फ्फरनगर जिले के लिए सम्मान और गर्व का विषय बन गया है। खतौली की यह बेटी आज न सिर्फ अपने गाँव–घर, बल्कि पूरे समाज की पहचान है। वर्दी में सजकर भी दिल से इंसानियत निभाने वाली सिपाही।

स्टेशन बदहाल, लंबी दूरी की ट्रेनों का नहीं है ठहराव, यात्री परेशान

प्रयागराज। मऊआइमा रेलवे स्टेशन मऊआइमा गंगापार का औद्योगिक और कारोबारी दृष्टि से बेहद अहम इलाका है। यहां सूती कपड़े की बुनाई और पावरलूम से संबंधित कारोबार बड़े पैमाने पर होता है। रोजाना व्यापारी भिवंडी, मालेगांव, मुंबई, सूरत, दिल्ली तक का सफर करते हैं, वहीं क्षेत्र के श्रद्धालु हरिद्वार भी जाते हैं। इसके बावजूद मऊआइमा का रेलवे स्टेशन बदहाल है। जर्जर वेटिंग हॉल, कच्चा प्लेटफार्म, टूटा शौचालय, गंदा पानी और रिजर्वेशन काउंटर का अभाव यात्रियों को लगातार परेशान करता है। बरसात में प्लेटफार्म कीचड़ और घास–फूस से ढक जाता है तो दूसरी ओर फुट ओवर ब्रिज न होने के कारण यात्रियों को जान जोखिम में डालकर रेलवे ट्रैक पार करना पड़ता है।

30 हजार की आबादी वाले नगर पंचायत और आसपास के 40 हजार लोग इसी स्टेशन से जुड़े हैं, लेकिन लंबी दूरी की ट्रेनों का ठहराव नहीं है। ऐसे में स्थानीय लोगों और व्यापारियों की मांग है कि रेलवे स्टेशन को व्यावसायिक महत्व और यात्रियों की जरूरत के अनुरूप सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। प्रमुख इंडस्ट्रियल एरिया मऊआइमा, जहां पावरलूम का कारोबार बड़े पैमाने पर होता है, व्यापार की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र है। यहां से प्रतिदिन व्यापारी महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली और लखनऊ की यात्रा करते हैं। वहीं, बड़ी संख्या में श्रद्धालु हरिद्वार दर्शन के लिए भी सफर करते हैं। लेकिन अफसोस की बात है कि इतनी अहमियत रखने वाला मऊआइमा का एकमात्र रेलवे स्टेशन बदहाली की मार झेल रहा है। रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के लिए बुनियादी सुविधाओं का भारी अभाव है। वेटिंग हॉल की स्थिति जर्जर है, छत से बारिश का पानी टपकता है। प्लेटफार्म नंबर दो की जमीन अब तक पक्की नहीं हो पाई है। बरसात के दिनों में कीचड़ और फिसलन से यात्रियों का खड़ा रहना तक मुश्किल हो जाता है। बरसात शुरू होने के साथ ही चारों ओर घास–फूस उगकर इसे जंगल जैसा बना देती है। रेलवे स्टेशन पर रिजर्वेशन काउंटर न होने के कारण यात्रियों को सिर्फ चालू टिकट ही मिल पाता है। तीन सवारी गाड़ियों के अलावा यहां से गुजरने वाली लंबी दूरी की रेलगाड़ियों का ठहराव नहीं होता। इसके लिए यात्रियों को प्रयागराज, फाफामऊ या प्रतापगढ़ के अन्य स्टेशनों पर जाना पड़ता है। स्टेशन पर लगे हैंडपंप अपर्याप्त हैं, उनसे निकलने वाला पानी गंदा है, जो पीने योग्य नहीं है। स्थानीय लोगों और व्यापारियों का कहना है कि मऊआइमा स्टेशन का व्यावसायिक महत्व देखते हुए यहां की सुविधाओं में सुधार किया जाना बेहद जरूरी है। लोगों का मानना है कि यदि रेलवे विभाग ध्यान दे तो मऊआइमा स्टेशन को एक बेहतर रूप दिया जा सकता है। इससे न केवल स्थानीय यात्रियों को राहत मिलेगी, बल्कि व्यापारियों और बाहर से आने–जाने वाले लोगों को भी सहूलियत होगी। रेलवे लाइन पार करने के लिए फुट ओवर ब्रिज नहीं मऊआइमा स्टेशन पर सबसे गंभीर समस्या फुट ओवर ब्रिज न होना है। यात्रियों को प्लेटफार्म नंबर दो पर जाने के लिए सीधे रेलवे ट्रैक पार करना पड़ता है। यदि लाइन पर मालगाड़ी खड़ी हो तो एक प्लेटफार्म से दूसरे प्लेटफार्म तक पहुंचना बेहद मुश्किल हो जाता है। यह स्थिति यात्रियों के लिए असुविधाजनक होने के साथ ही सुरक्षा के लिए भी खतरानाक है। स्टेशन पर रिजर्वेशन काउंटर की सुविधा नहीं रेलवे स्टेशन पर रिजर्वेशन के लिए इंतजाम नहीं है। पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम के काउंटर के ना होने के चलते मुंबई, महाराष्ट्र, दिल्ली, गुजरात आदि के लिए यहां पर टिकट बुक नहीं हो पाता। टिकट रिजर्वेशन कराने लिए 30 हजार की आबादी वाले नगर पंचायत समेत आसपास के लगभग 40 हजार की आबादी के लोगों को प्रयागराज या प्रतापगढ़ जाना

पड़ता है। रेलवे स्टेशन के शौचालय में दरवाजा नहीं रेलवे स्टेशन पर बड़ी संख्या में यात्री सफर करते हैं लेकिन यहां पर बने शौचालय में दरवाजा काफी समय से टूटा हुआ है। ऐसे में यात्री उसका प्रयोग नहीं कर सकते स्टेशन अधीक्षक के मुताबिक विभाग को दरवाजा टूटने की लिखित सूचना दी गई है। मऊआमा स्टेशन पर रूकती हैं सिर्फ तीन पैसेंजर ट्रेनें अयोध्या कैंट से चलकर प्रयाग घाट जाने वाली ट्रेन सुबह 7रू20 पर आती है। रात 9रू13 पर प्रयाग घाट से लौटकर अयोध्या जाती है। दूसरी ट्रेन सरजू एक्सप्रेस है जो मनकापुर अयोध्या से चलकर सुबह 6रू58 पर प्रयाग घाट संगम के लिए जाती है, इसकी वापसी शाम 7रू55 पर होती है। तीसरी ट्रेन लखनऊ प्रयागराज पैसेंजर है। जो सुबह 11रू28 पर मऊआइमा पहुंचती है और शाम को 5रू36 पर लखनऊ के लिए वापस लौटी है। इन एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव की उठ रही मांग इस स्टेशन से होकर यूं तो दर्जनों एक्सप्रेस ट्रेनें गुजरती हैं लेकिन उसमें से कुछ ट्रेन ऐसी हैं जिसके ठहराव की मांग लंबे समय से नगर पंचायत और क्षेत्रवासी कर रहे हैं।ध यशवंतपुर बेंगलुरु से लखनऊ जाने वाली एक्सप्रेस ट्रेन शुक्रवार को जाती है। लोकमान्य तिलक महाराष्ट्र से अयोध्या कैंट जाने वाली साकेत एक्सप्रेस गुरुवार एवं रविवार को जाती है। लोकमान्य तिलक से अयोध्या जाने वाली तुलसी एक्सप्रेस सोमवार और बुधवार को मऊआइमा होकर गुजरती है। दुर्ग से नौतनवा अयोध्या जाने वाली नौतनवा एक्सप्रेस शनिवार को गुजरती है। प्रयागघाट से हरिद्वार जाने वाली उद्योग नगरी मंगलवार, गुरुवार एवं रविवार को मऊआइमा रेलवे स्टेशन से होकर गुजरती है। ध इन ट्रेनों में से अगर कुछ ट्रेनें यहां रुकने लगें तो यहां के व्यापार में चार चांद लग जाएगा। बोले जिम्मेदार मऊआइमा औद्योगिक क्षेत्र है। व्यापारियों, प्रतियोगी छात्रों, आम लोगों तथा दूसरे प्रदेश आने–जाने वालों की सुविधा के लिए यहां पर लंबी दूरी की ट्रेनों का ठहराव तथा सभी यात्री सुविधाओं का होना जरूरी है। इस संबंध में रेल विभाग एवं रेलमंत्री को पत्र लिखूंगा। सुविधाओं के बहाल करने के लिए प्रत्येक स्तर पर प्रयास किया जाएगा। –सुरेन्द्र चौधरी, एमएलसी प्लेटफार्म नंबर दो का पक्का करना तथा फुट ओवरब्रिज बनाने काकाम विभाग तय करेगा। इसके अलावा प्लेटफार्म की नियमित सफाई की जाती है। घांस–फूस की सफाई, दरवाजे की मरम्मत के लिए विभागीय अधिकारियों को लिखित सूचना दी गई है। जल्दी ही इस कमी को दूर कर दिया जाएगाध। –इरफान अहमद, स्टेशन अधीक्षक मऊआइमा एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव के लिए रेलवे विभाग, रेलमंत्री और सांसद को कई बार पत्र लिखा गया लेकिन सुनवाई नहीं हुई। स्टेशन पर व्यवस्था बेहतर करना हमारे अधिकार क्षेत्र में नहीं है। इसके बावजूद नगर पंचायत की ओर से रेलवे स्टेशन पर शौचालय बनवाने, लाइट लगाने और सौंदर्यीकरण का प्रस्ताव दिया था लेकिन रेल विभाग द्वारा मानक के अनुरूप व्यवस्था पूरी होने का उत्तर दिया गाय। –शोएब अंसारी, चेयरमैन, मऊआइमा

दिव्य गंगा महोत्सव में डा. बालकृष्ण पाण्डेय और डा. भगवान प्रसाद उपाध्याय का हुआ भव्य सम्मान

प्रयागराज। दिव्य गंगा महोत्सव हरिद्वार में प्रयागराज के भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय संरक्षक डा० बालकृष्ण पाण्डेय और राष्ट्रीय संयोजक डा० भगवान प्रसाद उपाध्याय को सेवा मिशन हरिद्वार द्वारा विशिष्ट सहभागिता के लिए रविवार को सम्मानित किया गया द्य इस अवसर पर दि ग्राम टुडे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र की ओर से भी सम्मान पत्र, माँ गंगा की चित्र प्रतिमा अंगवस्त्र प्रदान करके सम्मानित किया गया।

भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के सांस्कृतिक प्रकोष्ठ प्रभारी एवं मीडिया प्रभारी रवीन्द्र कुशवाहा ने बताया कि भव्य और दिव्य सम्मान समारोह की अध्यक्षता गुरुकुल कांगड़ी आयुर्वेद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० डॉ० अनिल त्रिपाठी ने किया और मुख्य अतिथि श्रीराम भद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय चित्रकूट के कुलपति प्रो डॉ शिशिर पाण्डेय जी रहे द्य विशिष्ट अतिथि स्वामी आशुतोष जी महाराज देहरादून और साहित्यकार व ज्योतिषविद् नंदलालमणि त्रिपाठी पीताम्बर गोरखपुर रहे द्य आयोजक केशव पाण्डेय राष्ट्रीय अध्यक्ष दिव्य गंगा सेवा मिशन हरिद्वार ने सभी अभ्यागतों का स्वागत किया द्य संचालन डॉ सीमा मंजरी ने किया द्य इस अवसर पर कई प्रदेशों से पधारे शताधिक साहित्यकार पत्रकार कवि एवं गंगा प्रेमी संभ्रांत जन उपस्थित रहे।

अमान्य और फर्जी प्रमाणपत्रों पर कर लिया एपीएस का चयन

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग की अपर निजी सचिव (एपीएस) भर्ती 2010 की जांच कर रही सीबीआई की ओर से हाईकोर्ट में प्रस्तुत अभिलेखों में बड़े पैमाने पर हुई धांधली का खुलासा हुआ है। इसमें अमान्य और फर्जी प्रमाणपत्रों के आधार पर अभ्यर्थियों का चयन तो हुआ ही है विकलांग तथा स्वतंत्रता संग्राम सेनानी कोटे के अभ्यर्थियों का हक मारकर चहेतों का चयन कर दिया गया। सीबीआई ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के जिन तीन अधिकारियों के विरुद्ध जांच करने की अनुमति आयोग से ली है, उन अधिकारियों ने सीबीआई की ओर से पूछताछ के लिए मिली नोटिस को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

इस मामले में सीबीआई मुख्यालय नई दिल्ली की ओर से यूपीपीएससी अध्यक्ष को आरोपित अफसरों के विरूद्ध जांच की अनुमति देने से संबंधित पत्र 23 अगस्त 2021 की प्रति लगाई गई है। इस पत्र में हिन्दी आशुलेखन में पांच से आठ प्रतिशत त्रुटि करने वाले अभ्यर्थियों को उत्तीर्ण करने जैसी अनियमितता के अलावा तमाम गड़बड़ियों का खुलासा हुआ है। सीबीआई के पत्र के अनुसार जांच में पता चला कि अपर निजी सचिव भर्ती 2010 में सत्य प्रकाश जायसवाल तथा राज कुमार से निर्धारित तिथि बीतने के बाद नियम विरूद्ध तरीके से दूसरे कम्प्यूटर प्रमाण पत्र स्वीकार करके उनका चयन किया गया। सीबीआई के पत्र में यह भी खुलासा हुआ है कि चयनित अभ्यर्थी विपिन कुमार, अभिषेक अवस्थी, मोनिका चौधरी तथा शिवी त्रिपाठी के कम्प्यूटर प्रमाण पत्र संबंधित संस्थाओं ने जारी नहीं किए हैं तथा वे फर्जी एवं कूटरचित हैं। जांच में यह भी पता चला कि मृदुला भट्ट, प्रमोद कुमार,

अभिलाषा सिंह तथा आलोक कुमार के चयन अमान्य कम्प्यूटर प्रमाण पत्रों के आधार पर किए गए और बाद में हाईकोर्ट के आदेश पर चयन निरस्त करने पड़े। इसमें आयोग के अफसरों की भूमिका संदिग्ध रही। यही नहीं विकलांग तथा स्वतंत्रता संग्राम सेनानी कोटे के तीन अभ्यर्थियों प्रभात यादव, श्याम शुक्ला तथा संजीत गौतम की कैटेगरी को बदलकर उनके स्थान पर उनसे कम अंक पाने वाले अभ्यर्थियों के चयन किए गए हैं। हिन्दी आशुलेखन तथा हिन्दी टाइपिंग की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन एवं स्क्रूटनी के दौरान कई अभ्यर्थियों के अंकों में हेरफेर करके पास को फेल और फेल अभ्यर्थियों को पास कर दिया गया। प्रतियोगी छात्र संघर्ष समिति के मीडिया प्रभारी प्रशांत पांडेय का कहना है कि सीबीआई के पत्र से अब तो भर्तियों में हुए व्यापक भ्रष्टाचार का खुलासा हो गया है। ऐसी सैकड़ों भर्ती हैं जिनमें इस प्रकार का भ्रष्टाचार हुआ है अतः सरकार से हमारी मांग है इस जांच को समयबद्ध तरीके से अविलंब पूर्ण करने में सहयोग करके दोषियों को दंडित करे तब जाकर लाखों छात्रों के साथ न्याय होगा।

फिल्म की शूटिंग में मारपीट का एक और आरोपी गिरफ्तार

प्रयागराज। बीआर चोपड़ा फिल्म्स के बैनर तले निर्माणाधीन फिल्म 'पति, पत्नी और वो पार्ट टू की शूटिंग के दौरान बीते गुरुवार की शाम मारपीट का मामला सामने आया था। इसके बाद मारपीट का वीडियो तक सोशल मीडिया पर वायरल किया गया था। सिविल लाइंस पुलिस दो आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी हैं। वहीं एक अन्य आरोपी को रविवार को गिरफ्तार किया गया। सिविल लाइंस थाना प्रभारी रामाश्रय यादव ने बताया कि लाइन प्रोड्यूसर सौरभ तिवारी की तहरीर पर मेराज अली समेत अन्य अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। 27 अगस्त की शाम लगभग चार बजे थार्नहिल रोड पर शूटिंग के दौरान मुख्य अभिनेता आयुष्मान खुराना व सारा अली खान के सामने ही बीआर चोपड़ा फिल्म्स के प्रोडक्शन हेड जोहेब सोलापुरवाला के साथ कुछ अज्ञात लोगों ने मारपीट की थी। दो दिन पहले नामजद आरोपी मेराज समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया गया था। वहीं शिवम को रविवार को पकड़कर विधिक कार्रवाई की गई। शिवम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर मारपीट के लिए शर्मिंदगी व्यक्त करते हुए माफी मांगी थी।

डा. अजय सोनकर मास्को पुस्तक मेले में आमंत्रित

प्रयागराज। प्रयागराज के पद्मश्री मोती वैज्ञानिक डॉ. अजय सोनकर को मास्को में आयोजित होने वाले 38वें अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक मेले में आमंत्रित किया गया है। डॉ. अजय उच्च स्तरीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल के साथ दो सितंबर को नई दिल्ली से मास्को रवाना होंगे। तीन से सात सितंबर तक आयोजित पुस्तक मेले में डॉ. अजय भारतीय मंडप में डॉ. अजय तीन महत्वपूर्ण वैज्ञानिक वार्ताओं में भाग लेंगे और एक सत्र की अध्यक्षता करेंगे। समुद्र से सैकड़ों किमी दूर प्रयागराज स्थित अपनी प्रयोगशाला में सीप से मोती बनाकर नया इतिहास रचने वाले डॉ. अजय महाकुम्भ के दौरान गंगाजल की शुद्धता का दावा कर सुर्खियों में आए थे। डॉ. अजय ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट को चुनौती दी थी।

अंधविश्वास की बलि चढ़ गया छात्र यश सिंह

प्रयागराज। सदियापुर का 11वीं का छात्र पीयूष सिंह उर्फ यश अंधविश्वास की बलि चढ़ गया। पुलिस के गिरफ्त में आए तांत्रिक मुन्नालाल ने ही हत्यारोपी सरन सिंह को उसके घर परिवार पर यश के मृत पिता अजय सिंह का साया होने की बात कहकर बरगलाया था। साथ ही अजय सिंह के बेटे यश की बलि देने की बात उससे कही थी। 17 वर्षीय छात्र की बलि की घटना ने लोगों को दहला कर रख दिया है। सदियापुर के रहने वाले यश के पिता अजय सिंह ने 2009 में आत्महत्या कर ली थी। पिता की मौत के बाद यश अपनी मां कामिनी सिंह और बड़े भाई ध्रुव व समीर के साथ रहता था।

यश के रिश्ते में दादा लगने वाले सरन सिंह मकान भी

उसके पड़ोस में ही है। सरन सिंह की बेटी मोहिनी सिंह ने 2023 में फांसी लगाकर और बेटे सागर ने 2024 में यमुना में कूदकर जान दे दी थी। एक साल के अंतराल में दो बच्चों की आत्महत्या की वजह से सरन सिंह काफी परेशान था। पुलिस के अनुसार, कुछ महीने पहले सरन सिंह की तथाकथित तांत्रिक मुन्नालाल से मुलाकात हुई थी। मुन्नालाल कई बार सरन सिंह के घर तंत्र–मंत्र करने भी आया था। मुन्नालाल ने ही सरन सिंह को बताया था कि उसके घर परिवार पर यश के दिवंगत पिता अजय सिंह का साया है। इसके लिए अजय सिंह के बच्चे की बलि देने से ही समस्या दूर होगी। इसके बाद अजय सिंह के छोटे बेटे यश को बलि देने के लिए चुना गया। तथाकथित तांत्रिक मुन्नालाल बलि देने के छह दिन पहले भी सरन सिंह के घर आया था और उसे बलि देने की विधि बताई थी। यश की 26 अगस्त की सुबह स्कूल जाते समय सरन सिंह ने घर बुलाकर मौत के घाट उतारने के बाद चापड़ व आरी से शव के टुकड़े कर अलग–अलग जगह फेंक दिए थे।

बंटवारे में अन्याय हुआ है लिख कर दे दी जान...

प्रयागराज। औद्योगिक क्षेत्र थाना के तेंदुआवन, नीबी गांव में रविवार देर रात जमीन के बंटवारे के विवाद एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक के भाई ने औद्योगिक पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया है कि लोगों ने उनके घर पर चढ़कर भाई बंटवारे के संबंध में धमकाया। जिससे सहम कर उसने आत्महत्या कर ली। फांसी के फंदे ओर झूलने से पहले मृतक में सुसाइड चार पन्ने का सुसाइड नोट लिखा जिसमें उसने उनका नाम लिखा जिसके कारण वह आत्महत्या कर रहा हुआ।

सूचना

मैं, सुप्रीति कुमारी पत्नी रूपेश सिंह, मैंने विवाह उपरांत अपना नाम बदलकर **'सुप्रीति सिंह'** रख लिया है। सभी संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है। भविष्य में सभी कार्य **'सुप्रीति सिंह'** नाम से करूँगी, अतः मुझे अब इसी नाम से जाना, पहचाना व पुकारा जाय।

प्रार्थिनी
सुप्रीति कुमारी
पत्नी श्री रूपेश सिंह
निवासी- फ्लैट न. 309, झील अपार्टमेंट, जगराम चौराहा, कटरा, प्रयागराज (उ.प्र.)

एंटी रैगिग प्रतियोगिता का आयोजन

प्रयागराज। सीएमपी महाविद्यालय की एंटी रैगिंग समिति के तत्वावधान में एंटी रैगिंग सप्ताह का आयोजन 12 अगस्त से 18 अगस्त 2025 तक किया गया। इस क्रम में महाविद्यालय परिसर में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का सफल आयोजन हुआ, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आज दिनांक 01 सितम्बर 2025 को जजमेंट डे का आयोजन एंटी रैगिंग समिति की संयोजक प्रो. अर्चना त्रिपाठी की अध्यक्षता में महाविद्यालय

के कॉन्फ्रेंस हॉल में किया गया। इस अवसर मुख्य अतिथि प्रो. अजय प्रकाश खरे, प्राचार्य सी एम पी उपस्थित थे स निर्णायक मण्डल की भूमिका प्रो. एस.पी. सिंह, डॉ. प्रिया सोनी खरे तथा डॉ. रुचिका चौधरी ने निभाई। प्रतियोगिता में प्रतिभागी विद्यार्थियों ने एंटी रैगिंग पर अपने विचार व्यक्त किए स पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर सनी दिवाकर, द्वितीय स्थान पर अभिषेक शर्मा एवं अनन्या सिंह, तथा तृतीय स्थान पर वैष्णवी तिवारी एवं सौम्यरूपा मित्रा रही। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. रेनू चौधरी द्वारा किया गया। इस अवसर पर समिति के सह–संयोजक प्रो. आर.बी.एल. श्रीवास्तव, सदस्यगण डॉ. आर.डी. किशोर, डॉ. प्रतिभा दीक्षित, डॉ. अशोक कुमार, डॉ तेज बहादुर, एच पी भास्कर तथा प्रवीण कुमार सिंह उपस्थित थे।

संतूर वादन का कार्यक्रम आयोजित

प्रयागराज स स्पिक मैके एवं सीएमपी डिग्री कॉलेज ,प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में संतूर वादन का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें सुविख्यात संतूर वादक पंडित अभय रुस्तम सोपोरी जी के द्वारा संतूर वादन प्रस्तुत किया गया। आपके साथ

तबला संगत पर श्री आनन्द मिश्रा एवं पखावज पर श्री अंकित पारीक ने संगत किया। पं अभय रुस्तम सोपोरी ने राग भीम से अपनी प्रस्तुति की शुरुआत की तत्पश्चात महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो अजय प्रकाश खरे ,उप प्राचार्य प्रो नीता सिन्हा सांस्कृतिक समिति की समन्वयक प्रो अर्चना खरे, संगीत विभागाध्यक्ष डॉ रश्मि गुप्ता, प्रो आभा त्रिपाठी एवं डॉ दीपक कुमार गोंड के द्वारा कलाकारों का स्वागत एवं अभिनंदन पुष्प गुच्छ ,अंग वस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान करके किया। साथ ही स्पिक मैके उत्तर प्रदेश के सचिव श्री श्रेयश शुक्ला को भी अंग वस्त्र पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिन्ह प्रदान करके सम्मानित किया गया । प्रो भावना चौहान ने वाचिक स्वागत किया तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो अर्चना खरे के द्वारा किया गया। डॉ आकांक्षा पाल के द्वारा कुशल मंच संचालन किया गया। इस सुअवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षकगण, शोधार्थी एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

'श्मशान कन्या' और 'किस्से इलाहाबाद' पुस्तक का हुआ लोकार्पण

प्रयागराज। राज्य शिक्षा संस्थान एलनगंज के सभागार में लोकरंजन प्रकाशन द्वारा प्रकाशित युवा लेखक हर्षित कुमार के कहानी संग्रहषकिस्से इलाहाबाद केष तथा रंजन पाण्डेय के उपन्यासष्श्मशान कन्याष का विमोचन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रख्यात साहित्यकार और शिक्षाविद डॉ प्रेमा राय ने की। श्रीमती विजय लक्ष्मी विभा कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रहीं। ब्लू प्लेनेट सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ एच पी पाण्डेय, ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज के प्रो लवलेश सिंह और राज्य शिक्षा संस्थान के प्राचार्य श्री अनिल कुमार मंच पर विशिष्ट अतिथि की भूमिका में रहे।कार्यक्रम का आरंभ गायिका पूनम पाण्डेय, प्रियम और रिया की सरस्वती वंदना से हुआ। डॉ आदित्य

नारायण सिंह ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। डॉ प्रेमा राय ने दोनों पुस्तकों को हर उम्र के पाठकों के लिए पठनीय बताया। मुख्य अतिथि ने पुस्तकों को प्रयाग की साहित्यिक विरासत से जोड़ा।

डॉ एच पी पाण्डेय ने मनुष्य के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए पुस्तकों के पठन–पाठन की आवश्यकता बताई। प्रो लवलेश ने युवा वर्ग की किताबों के प्रति बढ़ती रुचि को साहित्य के लिए शुभ संकेत बताया। प्राचार्य अनिल कुमार ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज मे लोगों को नई ऊर्जा प्रदान करते हैं। प्रसिद्ध समाज शास्त्री प्रो रवि मिश्र ने ष्श्मशान कन्याष में महिला संघर्ष के साथ उसमे छुपे संदेश की व्याख्या की।

डॉ प्रदीप चित्रांशी ने युवा लेखक हर्षित कुमार की कहनियों के मानवीय मूल्यों की चर्चा की। वरिष्ठ पत्रकार उमेश श्रीवास्तव ने रंजन पाण्डेय के लेखन को समाज की जरूरत बताया। इसके अतिरिक्त नारी गुरुकुल की अध्यक्षा डॉ स्नेह सुधा,डॉ कल्पना वर्मा,दिलीप तिवारी तथा शिव नारायण सिंह ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन रंजन पाण्डेय ने किया।पी सी पाण्डेय ने धन्यवाद ज्ञापित किया।इस अवसर पर मोक्षदा पीठ की संस्थापिका मंडला मेधास्वी,रत्नेश श्रीवास्तव,राकेश मालवीय,आश्विन,डॉ पूर्णिमा,राजश्री,राकेश पाण्डेय, शिव नारायण सिंह, सृष्टि, विभा, राहुल, जी सी शर्मा, विश्वेश,रामदेव मिश्र, उमेश, नन्हे, गीता सिंह, नीलम,राम लखन चौरसिया आदि उपस्थित रहे।

उर्दू–हिंदी संगम की मासिक गोष्ठी संपन्न

'तुम को कहां कहां से छुपाएं मुहब्बतो'...अनवार अब्बास

प्रयागराज। रविवार को एक निशस्त मुहतरम जनाब अनवार अब्बास नक़वी साहेब के दौलतकदे अहमद गंज , ताहिरा हाउस पर मुनश्अक़दि हुई। उर्दू और हिन्दी साहित्य के इस संगम समारोह में रचनाकारों ने अपने कलाम पेश किए। निशस्त की सदारत आली जनाब अनवार अब्बास नक़वी साहेब ने की । मुख्य अतिथि के रूप में दोहा सम्राट डा प्रदीप चित्रांशी जी मौजूद रहे और मेहमाने खुसूसी दैनिक पत्रिका के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी थे। युवा शायर राहिब मिर्ज़ा साहेब ने अपने कलाम से महफ़िल का आग़ाज़ करते हुए कहा –

है मुख़्तसर कहानी ये कुल दास्तान की
गुल को ख़बर नहीं है दिले बाग़बान की

जाफ़र नवाब ने कहा –

ज़िन्दगी में जो ज़िन्दगानी है
सब तेरे इश्क़ की निशानी है
निज़ामत कर रही संगीता

श्रीवास्तव श्सुमनश ने पढ़ा–

श्कोई है बर सरे पैकार मुझ में
चमकती है कोई तलवार मुझ मेंश

जनाब अम्बर वसीम साहेब ने पढ़ा –

श्कहीं सानेहा मिलेगा , कहीं हादसा मिलेगा,
तिरे शह्र की फ़िज़ा से मुझे और क्या मिलेगाश

शायरा सुनैना त्रिपाठी ने कहा कि –

आंखों में दिल में सांसों में धड़कन में आ गया,
वो कितने चुपके से मेरे जीवन में आ गया।

उमेश श्रीवास्तव जी ने कहा –

पास दर्पण हो खुद को स्वयं देखिए,
आप अपना खुदा सब समझ जाएँगे।

डा प्रदीप चित्रांशी जी ने शानदार दोहे पेश किये । उनका एक दोहा–

प्रश्न मौन क्यों आज हैं, सुन चर्चाएँ अर्श,
क्यों कर रोटी पर नहीं, करते कभी विमर्श।श

उनसे यह मत पूछिए, क्या है उनका धर्म।
भूख बनाती है जिसे, मानव से बेशर्म।

आख़िरि में सद्रे मोहतरम जनाब अनवार अब्बास साहब ने कहा–

श्हर गोशा ए वजूद से तो झांकती हो तुम,
तुम को कहाँ कहाँ से छुपायें मुहब्बतों।

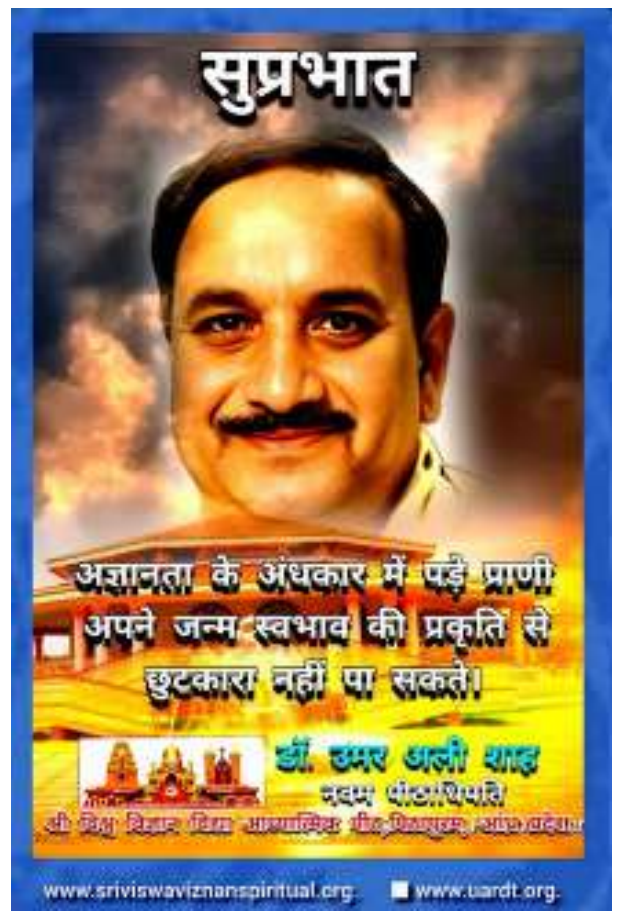

जिक डांस एकेडमी की ओर से सहारनपुर मंडल सिंगिंग डांस स्पोर्ट्स चैंपियनशिप कंपटीशन राजकीय इंटर कालेज में सम्पन्न

मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी व पूर्व ब्लाक प्रमुख जिला अध्यक्ष जूनियर हाई स्कूल शिक्षक महासंघ रहे

मुजफ्फरनगर। राजकीय इंटर कॉलेज जनपद मुजफ्फरनगर में सहारनपुर मंडल सिंगिंग डांस स्पोर्ट्स चौंपियनशिप डांस सिंगिंग कंपटीशन का आयोजन किया गया जिसमें सहारनपुर ,शामली मुजफ्फरनगर के आस पास डांस व सिंगिंग कलाकारों ने भाग लिया भाग लेने वाले सभी डांसरों, सिंगिंग कलाकारों को मेडल सर्टिफिकेट प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप मे पहुंचे मुख्य विकास अधिकारी जनपद मुजफ्फरनगर कंडारकर कमल किशोर देश भूषण ने डांस कोरियोग्राफर मोहन अरोर1को बेस्ट डांस कोरियोग्राफर बताया जो दिव्यांग बच्चों को निशुल्क डांस की ट्रेनिंग देते हैं ऐसे दिव्यांग जो बोल नहीं सकते ,सुन नहीं सकते, चल नहीं सकते ,देख नहीं सकते मुख्य विकास अधिकारी जनपद मुजफ्फरनगर ने मैजिक डांस एकेडमी के दिव्यांग डांसरों की हर संभव मदद करने का आश्वासन भी दिया,पूर्व ब्लाक प्रमुख कुकड़ा अमित राठी ऑनर बॉडी स्टेशन जिम ने जीतने वाले सभी डांसरों व सिंगिंग कलाकारों को प्रशस्ति पत्र इनाम सर्टिफिकेट देते हुए उनका उत्साह वर्धन किया तथा उज्जवल भविष्य की कामना की , जिला अध्यक्ष जूनियर हाई स्कूल शिक्षक महासंघ मंडल अध्यक्ष जाट महासभा संजीव बालियान ने मैजिक डांस एकेडमी के डांसरो व सिंगिंग कलाकारों के टैलेंट की सराहना की देश–विदेश में नाम रोशन करने वाले डांसरो सिंगिंग कलाकारों के उज्जवल भविष्य की कामना की, इस अवसर पर श्री राधा कृष्ण वेलफेयर ट्रस्ट रजिस्टर्ड दिव्यांगों को समर्पित संस्था के सभी अधिकारी पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे, इंजीनियर्स क्लब के सचिव इंजीनियर वसंत कुमार गोयल ने कहा मैजिक डांस अकैडमी पर सभी डांसर व सिंगिंग कलाकार अत्यंत प्रतिभा के धनी है डांस कोरियोग्राफर मोहन अरोरा ने कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी का आभार व धन्यवाद दिया डांस व सिंगिंग के जबरदस्त टैलेंट का अद्भुत संगम देखने को मिला कार्यक्रम का संचालन विशा चौधरी ने किया सभी जजों ने निर्णायक भूमिका निभाई श्री राधा कृष्ण वेलफेयर ट्रस्ट रजिस्टर्ड अध्यक्ष अंजू अरोरा ने सभी कलाकारों को ट्रॉफी मेडल सर्टिफिकेट देकर उत्साह वर्धन किया।

कहानी है गुलाब की

(कुण्डलिया)

ख़ामोशी ने कह दिया, मोहक प्रेम प्रसंग।
ख़्वाब गुलाबी हो गए, रँग गुलाब के रंग।
रँग गुलाब के रंग, कहानी है गुलाब की।
दिल करता आदाब, बताती पलकें उनकी।
सुन लो कहें प्रदीप, जुबा की ग़जब बिहोशी।
दुनिया को है पता, मगर फिर भी ख़ामोशी।।

कुछ भी कहता है नहीं, देकर मुझे गुलाब।
जाने क्यों आने लगे,उनके ही अब ख़्वाब।
उनके ही अब ख़्वाब, बात करते रातों में।
अन्जाने से बन्ध, लगे अपने नातों में।
सुन लो कहें प्रदीप, महकती दुनिया उनकी।
रहकर जो ख़ामोश, फूल–सा कहते कुछ भी।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

लोकपाल मनरेगा समाज शेखर की सक्रियता से वर्षो से अवरुद्ध मार्ग का हो रहा निर्माण

प्रतापगढ़। कालाकांकर विकास खंड के अतौलिया ग्राम पंचायत में पिछले कुछ माह पूर्व लोकपाल समाज शेखर से सड़क निर्माण में पुरानी आर सी सी ईंट के प्रयोग की शिकायत ग्राम के राजेश कुमार द्वारा दी गई थी। लोकपाल ने निरीक्षण किया तब पुरानी ईंट का मामला तो नही मिला परंतु करीब ५० मीटर तक स्थाई विवाद के कारण सड़क का कार्य अवरुद्ध मिला। तब लोकपाल ने ग्राम वासियों के साथ बैठक करके समाधान का प्रयास किया। लोकपाल समाज शेखर ने सड़क की समस्या को चिन्हांकित किया तो एक सरोज परिवार व प्रधान के परिवार में

पुरानी असहमति के कारण मार्ग अवरुद्ध है लोग गिर रहे है और रास्ता नही बन रहा। बताया गया की सरोज परिवार ने इस सम्बन्ध में कोर्ट भी गए है और विवाद होता रहता है पुलिस आकर शांत कराती है। जबकि रास्ता पुराना और काफी चालू है। तब लोकपाल ने दोनों पक्षों को मार्ग की महत्ता बताई और जनहित में इसे बनाये जाने पर बल दिया। दोनों पक्ष सहमत हुए थे। फ़िर भी इच्छा शक्ति के कमी के कारण कार्य नही बढ़ सका। बार बार कार्य रुक जाता था। लोकपाल निरंतर गॉव से संपर्क स्थापित होकर ग्राम पंचायत कर्मियों को प्रेरित करते रहे। अन्ततः प्रधान पति बृजेश यादव ने सभी के सहयोग से आज उक्त सड़क के अवरुद्ध कार्य को आज पूर्ण कराने का कार्य शुरू किया। ग्रामीणों ने सड़क का निर्माण कार्य शुरू होने पर लोकपाल को फोन कर अवगत कराते हुए खुशी जाहिर करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। बृजेश ने बताया की एक दो दिन में कार्य पूर्ण होगा।

9 वीं शदी के सूर्यमन्दिर पर अति प्राचीन शिवलिंग का लोकपाल समाज शेखर ने सपत्नीक किया अभिषेक

जन प्रतिनिधियों व समाज की सामूहिक भागीदारी से स्थल के विकास की प्रतिबद्धता

दोहराई / 1 साल के भीतर स्थल के विकास का लिया गया सामूहिक संकल्प

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम तीर्थ क्षेत्र नगर पंचायत कटरा गुलाब सिंह के गौरा वार्ड के स्वरूपपुर राजस्व ग्राम के शिवगंज में स्थित अति प्राचीन सूर्य मन्दिर के पुरावशेष स्थल पर स्थित प्रसिद्ध शिवलिंग का सामूहिक शिवाभिषेक किया गया। बाबा भयहरण नाथ धाम के महासचिव व लोकपाल मनरेगा समाज शेखर धर्म पत्नी प्रीति समाज और स्थानीय ग्राम वासियों व क्षेत्रीय समाज के प्रबुद्ध जनों के साथ आचार्य श्रवण शास्त्री की देखरेख में विद्वानो द्वारा सामूहिक शिवाभिषेक संपन्न किया गया। ज्ञातव्य हो की 2010 से निरंतर सूर्य मन्दिर के पुरावशेष का संरक्षण स्थानीय समाज व ग्राम वासियों द्वारा समाज शेखर के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। उक्त स्थल का उल्लेख जनपद के गजेटियर में भी है, पुरातत्व विभाग द्वारा स्थल के पुरावशेषों का पंजीकरण 2011 में किया था। तब से ग्राम वासी स्थल के विकास हेतु निरंतर प्रयासरत है , एक सामाजिक कोष का भी निर्माण किया गया है जिसे और बढ़ने का संकल्प लिया गया। भयहरण नाथ धाम के अध्यक्ष आचार्य राज कुमार शुक्ल ने कहा की यह स्थल भयहरण नाथ धाम तीर्थ क्षेत्र का महत्वपूर्ण अंग है। इसके समुचित विकास सभी को जोड़कर सम्मिलित भागीदारी से प्रयास प्रारंभ होगा। सामूहिक निर्णय हुआ कि सरकार और समाज की भागीदारी से सूर्य मंदिर के खोये अस्तित्व को वापस लाया जायेगा। मौके पर शामिल राजस्व निरीक्षक राजेश पांडेय ने सभी को आश्वस्त किया की अपेक्षित सहयोग हेतु राजस्व विभाग तत्पर रहेगा। नगर पंचायत अध्यक्ष व विधायक जीत लाल की ओर से उपस्थित स्थानीय प्रतिनिधियों ने हर संभव सहयोग के आश्वासन के साथ इस कार्य को समाज के उत्थान हेतु आवश्यक बताया। सूर्य मंदिर पर सामूहिक रूप से लोकपाल समाज शेखर उनकी धर्म पत्नी प्रीति समाज ने प्राचीन शिवलिंग का बड़े रविवार व राधा अष्टमी के अवसर पर विधिवत शिवाभिषेक कर सभी के कल्याण और धाम के विकास की कामना की। इस अवसर पर प्रमुख रूप से संरक्षक अभय प्रताप सिंह, संगठन सचिव राज किशोर मिश्र, आचार्य श्रवण शास्त्री , पत्रकार प्रभाकर राय, मोती लाल पटेल, राजेश यादव, हीरा लाल मौर्य, चंदन तिवारी, राज कुमारी पटेल आदि के साथ ग्राम वासियों ने सहभागिता कर संकल्प लिया।

मुज़फ्फरनगर कैमिस्ट एन्ड ड्रगिस्ट एसोसिएशन का हुआ विस्तार, प्रमुख दवा व्यापारी नेताओं ने सुभाष चौहान में जताई आस्था

दवा व्यापारियों का उत्पीड़न नहीं करेंगे बर्दाश्त, गलत काम करने वाले भी अपनी कार्यशैली में कर ले सुधारः सुभाष चौहान

मुजफ्फरनगर। केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के पदाधिकारीयो की एक मीटिंग का आयोजन रुड़की रोड स्थित ऑर्किड पार्टी हॉल रेस्टोरेंट में किया गया। संगठन के अध्यक्ष सुभाष चौहान के कुशल नेतृत्व में आस्था जताते हुए इस आवश्यक मीटिंग में मुजफ्फरनगर जिले के कुछ प्रमुख दवा व्यापारी नेताओं ने संगठन की सदस्यता ग्रहण की स इस अवसर पर संगठन के प्रमुख पदाधिकारीयों ने सदस्यता ग्रहण करने वाले प्रमुख दवा व्यापारियों का माला एवं अंग वस्त्र पहनाकर स्वागत किया। संगठन की सदस्यता ग्रहण करने वाले प्रमुख दवा व्यापारि नेताओं में पुष्पेंद्र मलिक, संजीव वर्मा,संजीव गुप्ता, विजेंद्र सिंह राणा, संदीप कुमार आदि दवा व्यापारी शामिल रहे। इस अवसर पर सुभाष चौहान ने सदस्यता ग्रहण करने वाले सभी प्रमुख दवा व्यापारियों का धन्यवाद दिया एवं आश्वासन दिया की मुजफ्फरनगर केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन किसी भी दवा व्यापारी का उत्पीड़न किसी भी सूरत में नहीं होने देगी वह अपने व्यापारी के साथ मजबूती के साथ खड़ी है। साथ ही इस अवसर पर जिला अध्यक्ष सुभाष चौहान ने कहा कि जनपद मुजफ्फरनगर में निन्यानवे प्रतिशत दवा व्यापारी बिल्कुल सही काम करता है, शासन के अनुरूप काम करता है स मात्र एक प्रतिशत व्यापारी ही ऐसा है जो गलत मार्ग पर चलकर जल्दी पैसा कमाने के लालच में व्यापार कर रहा है स इसी एक प्रतिशत व्यापारी की वजह से पूरा दवा बाजार बदनाम हो रहा है स उन्होंने ऐसे व्यापारियों के लिए कहा कि उन सबको सुधार जाना चाहिए , गलत मार्ग को छोड़ देना चाहिए स साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसे गलत काम करने वाले व्यापारियों का संगठन बिल्कुल भी साथ नहीं देगा, शासन के अनुरूप काम करने वाले व्यापारियों का ही साथ दिया जाएगा।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष सुभाष चौहान ने आगरा एवं लखनऊ में लगभग साठ करोड़ की पकड़ी गई नकली दवाइयां पर भी गहन चिंता व्यक्त की। जिला अध्यक्ष सुभाष चौहान ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज ही कहा है कि वह अपनी देखरेख में एक अलग से टीम इस गलत कार्य प्रणाली पर जांच करने के लिए गठित करेंगे एवं दोषियों पर कठोरतम कार्यवाही करेंगे स उन्होंने मुख्यमंत्री के इस निर्णय का स्वागत किया। इस अवसर पर संगठन के चेयरमैन प्रमोद मित्तल एवं सतपाल मलिक ने सभी दवा व्यापारियों से आग्रह किया कि वह दवाइयां कंप्लीट बिल के माध्यम से ही परचेज करें एवं उनका भुगतान आरटीजीएस के माध्यम से करें जिससे कि नकली दवाइयों से बचा जा सके।

तिनसुकिया गोलाघाट शाखा की अगस्त माह 2025 की काव्य गोष्ठी धूमधाम से संपन्न

तिनसुकिया गोलाघाट। शाखा की अगस्त महीने की महिला काव्य गोष्ठी दिनांक –– शाखा अध्यक्ष आदरणीय रंजना बिनानी काव्या जी की अध्यक्षता में ऑनलाइन सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस काव्य गोष्ठी की मुख्य अतिथि आशा लडढा जी एवं विशिष्ट अतिथि बिमला काबरा जी रही।

मां शारदे की मूर्ति स्थापना ,दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण रंजना बिनानी द्वारा किया गया। पश्चात मां सरस्वती की वंदना सीमा सिंधी जी ने प्रस्तुत की । तत्पश्चात सभी ने अपनी अपनी प्रस्तुतियां देकर मंच को सुसज्जित किया। प्रस्तुति देने वाली बहनों में मीना नागोरी,रंजना बिनानी काव्या, सीमा सिंधी,एवं सरला बजाज ने स्वैच्छिक विषय पर अपनी अपनी प्रस्तुतियां देकर मंच को सुसज्जित किया । प्रत्येक माह गोलाघाट शाखा द्वारा काव्य गोष्ठी का आयोजन किया जाता है। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन सरला बजाज जी द्वारा किया गया, धन्यवाद ज्ञापन शाखा अध्यक्ष रंजना बिनानी द्वारा दिया गया।

सम्पादकीय.....

बाबासाहेब आंबेडकर की तरह पढ़ना और सोचना

विचारों को मंथन करने के लिए पढ़ें, न कि केवल विचारों के संचय के लिए, मन में विरोधाभासी विचारों को लेकर खुले मन से पढ़ें, पहले पढ़े गए विचारों के गुलाम न बनें। यही स्वतंत्र चिंतन शैली विकसित करने का तरीका है। जब हम किताबें पढ़ते हैं, तो हमें पिछली पढ़ी हुई किताब के गुलाम नहीं बनना चाहिए। हमें उस विशेष विषय पर पहले से पढ़ी गई सभी बातों को याद रखना चाहिए, और हमारे मन में उस किताब के बारे में एक विरोधाभास होना चाहिए, तभी हम अपने विचार बना सकते हैं। किसी किताब के विषय को पढ़कर और उसका विरोधाभास करके, हम अपने व्यक्तित्व का निर्माण कर सकते हैं। मन को एक प्रकार की मशीन की तरह काम करना चाहिए और सभी तथ्यों को एकत्रित करना चाहिए, न कि सिनेमाग्राफ की तरह जहाँ एक के बाद एक चित्र आते हैं और चले जाते हैं। ज्ञान एक ईर्ष्यालु स्वामी है और भाषा को अनेक विचारों को व्यक्त करने के लिए लचीला होना चाहिए। अंग्रेजी ज्ञान निर्माण और अभिव्यक्ति की भाषा के रूप में योग्य है। ज्ञान एक बहुत ही ईर्ष्यालु स्वामी है, और अंग्रेजी एक बहुत अच्छी भाषा है क्योंकि यह लचीली है। हम इस भाषा में सब कुछ व्यक्त कर सकते हैं क्योंकि इसमें बहुत सारे रंग हैं। मुझे अंग्रेजी भाषा सबसे अच्छी लगती है। आपको अपनी भाषा में बहुत अच्छा होना चाहिए। इसे बेहतर बनाने के लिए आपको वाक्यांशों के नोट्स बनाने चाहिए और शब्दकोश में शब्दों के अर्थ देखने चाहिए। आपको बहुत अच्छी स्मृति विकसित करनी चाहिए। आपको जल्दबाजी में किताबें नहीं पढ़नी चाहिए। मैं एक किताब पढ़ने के बाद पूरी किताब को दो या तीन पन्नों में संक्षेपित कर देता हूँ, आपको भी यही करना चाहिए। मेरे पास कई इंडेक्स कार्ड हैं जिन पर मैं एक तरफ लेखक और संस्करण वर्ष के बारे में लिखता हूँ, और दूसरी तरफ किताब के विषय के बारे में। इसी अभ्यास के कारण मुझे नेपोलियन टाइम्स के पूरक रिकॉर्ड याद रहे। मैंने इसे 1921 में पढा था और 25 साल बाद भी 1946 में याद था। मैं कोलिंडेल (ब्रिटिश लाइब्रेरी का भंडार) गया और उस अंश को पढ़ा और उन दिनों अधूरी रह गई कुछ किताबें पूरी कीं। यह अछूतों की उत्पत्ति पुस्तक के लिए उपयोगी साबित हुआ। विचार संकट का परिणाम है, अन्यथा जीवन आदत का विषय है। हम हमेशा बिना सोचे–समझे एक ही रास्ते, एक ही रास्ते से चलते रहते हैं। लेकिन अगर हमारे सामने कोई असामान्य चीज जैसे कोई खाई या गड्ढा हो, तो हम रुककर सोचते हैं कि हमें उसे कूदकर पार करना चाहिए, रेंगकर जाना चाहिए या वापस लौट जाना चाहिए। आपको अपनी भाषा में हमेशा बल और सहमति का प्रयोग करना चाहिए। लोग मुझ पर दूसरों को चोट पहुँचाने का आरोप लगाते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि हमें बल और सहमति का प्रयोग करना चाहिए, बेशक अलग–अलग परिस्थितियों में इसका कुछ हद तक असर होना चाहिए। हमें खूब पढ़ने की आदत डालनी चाहिए और खूब मन लगाकर पढ़ाई भी करनी चाहिए। जब मैं छात्र था, मेरा मन एक ही विषय पर स्थिर रहता था। मेरी रुचि केवल पढ़ने में थी, मैंने कभी किसी की परवाह नहीं की और न ही कभी दोस्त बनाए। मेरे लिए बस पढ़ना ही सब कुछ था और कुछ नहीं। मैं ज्यादा पैसे भी खर्च नहीं करता था। मैं किताबें सिर्फ इसलिए खरीदता था क्योंकि मुझे पढ़ने का बहुत शौक था। मेरी दो पसंदीदा चीजें चाय और किताबें हैं। उन दिनों मैं लगभग 3 या 4 सिनेमाघर देखता था। न्यूयॉर्क में मैं सुबह 8.30 बजे से रात 11.30 बजे तक लाइब्रेरी में पढ़ता था और दोपहर के भोजन के लिए आधे घंटे का ब्रेक लेता था।

स्त्रियों को शास्त्रकार बनाने हेतु विनोबा भावे का संकल्प

डॉ. दीपक पाचपोर

महाराष्ट्र के वर्धा में स्थित पवनार आश्रम यानी ब्रह्म विद्या मंदिर भूदान आंदोलन से जुड़ा है। इसे विनोबा भावे ने उन महिलाओं के लिए स्थापित किया था, जो आध्यात्मिक जीवन जीना चाहती थीं।

1951 में भूदान यज्ञ कार्य शुरू हुआ। विनोबा जी की पदयात्राओं में देशभर से बहुत महिलाएं शामिल हुईं। 1960 में असम में विनोबा की पदयात्रा डेढ़ साल चली। वहां भूदान, ग्रामदान का मुख्य काम स्त्री शक्ति के आधार से चला। पवनार आश्रम के संचालक गौतम बजाज के मुताबिक, विनोबा मानते थे कि बहनों के लिए शास्त्रकार होना और ब्रह्म विद्या के क्षेत्र में आगे बढ़ना जरूरी है। महाराष्ट्र के वर्धा में स्थित पवनार आश्रम यानी ब्रह्म विद्या मंदिर भूदान आंदोलन से जुड़ा है। इसे विनोबा भावे ने उन महिलाओं के लिए स्थापित किया था, जो आध्यात्मिक जीवन जीना चाहती थीं। पवनार आश्रम में ब्रह्म विद्या मंदिर की साल 1959 में शुरुआत हुई। करीब एक दशक विनोबा पदयात्राओं में रहे। वे साल 1970 में फिर पवनार आश्रम आ गये व अंतिम समय तक यहीं रहे। पवनार आश्रम में व लंबी यात्राओं के दौरान विनोबा के सान्निध्य में रहे थे गौतम बजाज। जिन्होंने अपना जीवन विनोबा भावे के विचारों को समर्पित कर दिया है। वही अब पवनार आश्रम के संचालक हैं। ब्रह्म विद्या मंदिर की स्थापना व विनोबा की यात्राओं को लेकर गौतम बजाज से कृपाशंकर चौबे की बातचीत। पवनार आश्रम यानी ब्रह्म विद्या मंदिर की स्थापना व मकसद के बारे में गौतम बजाज ने बताया कि विनोबा जी का यह आश्रम तो 1938 से ही शुरू हो चुका था। विनोबा जी 1938 में यहां रहने के लिए आए। उन्होंने 1951 में भूदान यज्ञ का कार्य शुरू किया। उनकी पदयात्राएं देश भर में हुईं। उस यज्ञ में बहुत सी बहनें अपना कॉलेज, कैरियर, नौकरी सब छोड़कर शामिल हुईं। केरल से लेकर असम तक की बहनें इसमें साथ आयीं। विनोबा जी एक बात बार–बार कहते थे कि अब बहनों को भी ब्रह्म विद्या के क्षेत्र में आगे आना चाहिए। हमारे यहां बहुत संत बहनें हुई हैं। मीराबाई हैं, आंडाल हैं, ऐसे कई नाम हैं। विनोबा जी मानते थे कि बहनों के लिए शास्त्रकार होना और ब्रह्म विद्या के क्षेत्र में आगे बढ़ना बहुत जरूरी है। नहीं तो हमारे शास्त्र एकांगी रह जाएंगे। उनका यह भी कहना था कि हमको जो भी काम करना है– चाहे ग्राम सेवा का काम हो, खादी का काम या रुग्ण सेवा का– इन सब कामों के पीछे हमारी आध्यात्मिक निष्ठा होनी चाहिए। उसके बिना ये सारे अच्छे काम शून्यवत हो जाएंगे। इसलिए बहनों को आगे आना चाहिए। कई बहनें विनोबा जी से मिलती रहीं जिनको ब्रह्म विद्या की लालसा थी। विनोबा जी ने कहा कि ब्रह्म विद्या मंदिर में वे बहनें ही आएंगी जिनमें ब्रह्म विद्या की उपासना की इच्छा और सामाजिक क्रांति की भी तमन्ना हो। ऐसी कई बहनें जब तैयार हुईं तब विनोबा जी की पदयात्रा चल रही थी। राजस्थान के सीकर जिले के गांव काशी का बास जो जमुनालाल बजाज का जन्म स्थान है, वहां वर्ष 1959 में विनोबा जी ने ब्रह्म विद्या मंदिर की स्थापना की घोषणा की। गौतम बजाज ब्रह्मविद्या मंदिर के आरंभ के बारे में बताते हैं कि ब्रह्म विद्या मंदिर की स्थापना की घोषणा के उपरांत विनोबा जी की प्रेरणा से जो बहनें ब्रह्मविद्या के क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहती थीं, वे अलग–अलग प्रांतों में पवनार आईं। कुछ बहनें कर्नाटक, कुछ बंगाल व कुछ गुजरात से तो कुछ केरल से थीं। दरअसल 25 मार्च 1959 को ब्रह्मविद्या मंदिर का स्थापना दिवस माना जाता है। इसी दिन विनोबा जी 'अथातो ब्रह्म जिज्ञासा' कह कर यह घर छोड़ कर निकल पड़े थे। बहनें जब यहां आईं तब विनोबा जी यहां नहीं थे। विनोबा जी से पत्र व्यवहार द्वारा बहनें मार्गदर्शन लेती रहीं। कुछ बहनें कभी–कभी उनको यात्रा में मिलने जाती थीं। वहां बात होती थी। तब राजस्थान के बाद पंजाब व फिर जम्मू कश्मीर में विनोबा जी की यात्रा चली। इसके बाद उत्तर प्रदेश होते हुए वे 1960 में चंबल क्षेत्र में भी पहुंचे। वहां से यात्रा करके विनोबा जी इंदौर गए और फिर इंदौर से वे असम की तरफ निकले। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार व उत्तर बंगाल होते हुए उन्होंने असम में प्रवेश किया। असम में विनोबा जी की पदयात्रा अन्य क्षेत्रों के बजाय कुछ ज्यादा दिन क्यों चली, इस संबंध में पूछने पर गौतम बजाज का उत्तर था–असम में विनोबा जी की पदयात्रा डेढ़ साल चली। ब्रह्मपुत्र के उत्तर से भी ब्रह्मपुत्र के दक्षिण में भी दोनों तरफ से उन्होंने पूरे असम की पदयात्रा की और वहां यह भूदान, ग्रामदान ये सब काम खूब चला। वहां पर मुख्य काम स्त्री शक्ति के आधार से चला। असम में ब्रह्मचारिणी बहनों की बहुत तादाद थी और वहां गांधी जी ने बनाया हुआ कस्तूरबा ट्रस्ट था। उसको भी वे बहनें ही संभालती थीं। इनकी अगुवा अमल प्रभा दास थीं। उन्होंने सारी यात्रा का संचालन किया और लोगों ने भी पूरी मदद की। सवाल भूदान, ग्रामदान की यात्राओं का आया तो बजाज ने स्पष्ट किया– मुझे मौका मिला यात्रा में साथ रहने का। विनोबा जी बीच–बीच में दूसरे काम से भी भेजते थे। जैसे उनकी किताब कोई छपनी हो तो कभी काशी भेज दिया, कभी असम में था तो गुवाहाटी। कभी–कभी हमारे सर्वोदय के ज्येष्ठ और वृद्ध व्यक्ति भी आते थे। जैसे दादा धर्माधिकारी आए थे तो उनके साथ कोई नहीं था। तो मुझे बुलाया कि इनकी सेवा में जाओ। विनोबा जी का कहना था कि सेवा करते–करते जो ज्ञान प्राप्त होगा, होगा। कहीं कोई चीज सिखानी हो उसके लिए भी भेजते। तो मैं विनोबा जी की समूची पदयात्रा में साथ रहा। 1964 में यहां पवनार आए। यहां एक साल वे रहे। थोड़े दिनों के लिए आये थे लेकिन स्वास्थ्य कारणों से एक साल के लिए यात्रा यहां रुक गई थी। उस समय आश्रम का प्रत्यक्ष मार्गदर्शन भी किया।

स्क्रीन के सैलाब में संस्कारों का एंटीवायरस बने शिक्षक

पांच सितंबर यानी शिक्षक दिवस– यह पावन अवसर पर है हम सब के लिए उस शिक्षा के स्वरूप पर विचार करने का जो हमारी अगली पीढ़ी को 'ज्ञान' के साथ–साथ 'जीवन' की सही दिशा भी दे सके। इस संदर्भ में गुरु–शिष्य परंपरा से जुड़ा हमारे शास्त्रों में वर्णित एक विचार प्रासंगिक है कि 'ज्ञानमभारः क्रियां विना'। जिसका अर्थ है, 'क्रिया के बिना ज्ञान बोझ है'। यह बात आज के डिजिटल युग में और भी सत्य है। आज का शिक्षक सिर्फ ब्लैकबोर्ड पर लिखने वाला नहीं, बल्कि संस्कार और स्क्रीन के बीच एक संवेदनशील सेतु है। यह वो समय है जब हर शिक्षक को सोचना होगा कि क्या वे सिर्फ सूचना दे रहे हैं, या एक ऐसा भविष्य गढ़ रहे हैं जहां मानवीयता तकनीकी प्रगति से आगे खड़ी हो। दरअसल, आजकल बच्चे 'स्क्रीन टाइम' में इतने डूबे हैं कि सामाजिक कौशल, धैर्य और सहानुभूति जैसे बुनियादी मानवीय मूल्य कहीं पीछे छूट रहे हैं। तो एक सवाल हर शिक्षक के मन में कुलबुला रहा होगा ध 'क्या अब बच्चों को पढ़ाना उतना ही आसान है, जितना उन्हें 'फॉरवर्ड' करना सिखाना?' एक तरफ ज्ञान का अथाह सागर है जो स्क्रीन पर तैर रहा है, और दूसरी तरफ संस्कारों की नदियां हैं जो सूखती जा रही हैं। सवाल है, शिक्षक इन दोनों के बीच पुल कैसे बनाएंगे? तकनीक हमें दुनिया से जोड़ती है, लेकिन यह हमें भावनात्मक रूप से अलग–थलग भी कर सकती है। यही कारण है कि शिक्षक का भावनात्मक जुड़ाव और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। शिक्षक केवल ज्ञान का संचार करने वाला ही नहीं, बल्कि ऐसा व्यक्ति हो जो अपने छात्रों की भावनाओं को समझता हो, उनकी चुनौतियों को सुनता हो और सही रास्ता दिखाता हो। ऐसे में शिक्षक को 'संस्कारों का एंटीवायरस' बनना होगा। महान विचारक और अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन ने एक बार अपने बेटे के शिक्षक को पत्र लिखते हुए कहा था, 'उसे सिखाना कि हर दुश्मन में एक दोस्त छिपा हो सकता है. .. उसे किताबों के चमत्कार के बारे में बताना... उसे सिखाना कि अगर वह हारता है तो यह ठीक है... उसे सिखाना कि सफलता का आनंद कैसे लिया जाए... लेकिन सबसे महत्वपूर्ण, उसे यह सिखाना कि कैसे मुस्कुराना है जब वह दुखी हो।' लिंकन की यह बात आज के दौर में और भी प्रासंगिक है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता हमें तथ्यों से भर सकता है, लेकिन मुस्कुराना, हार से सीखना, और दूसरों में अच्छाई खोजना – ये बातें केवल शिक्षक ही सिखा सकता है, जो भावनाओं और अनुभवों के माध्यम से संवाद करता है। एक बार स्वामी विवेकानंद से उनके गुरु रामकृष्ण परमहंस ने पूछा, 'तुमने क्या सीखा?' विवेकानंद ने शास्त्रों का ढेर गिना दिया। रामकृष्ण मुस्कुराए और बोले, 'तुमने ज्ञान इकट्ठा किया है, सीखा नहीं। सीखा तो तब होता, जब तुम इसका उपयोग कर दूसरों के दुख दूर करते।' हाल ही में, लेखक को एक अनोखा उदाहरण देखने को मिला। बेंगलुरु के एक स्कूल में, 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता और एथिक्स' पर सत्र के दौरान एक छात्र ने पूछा, 'अगर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (।ए) मेरा सारा होमवर्क कर दे, तो मुझे क्या मिलेगा?' शिक्षक मुस्कुराईं। उन्होंने कहा, 'तुम्हें होमवर्क से मुक्ति मिलेगी, लेकिन सीखने का आनंद नहीं मिलेगा। एआई तुम्हें उत्तर दे देगी, लेकिन उस उत्तर तक पहुंचने की सोच, संघर्ष और समझ नहीं देगी। यही वो जगह है जहां तुम्हारी आत्मा का विकास होता है, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता कभी नहीं कर सकती।' यह एक साधारण सा संवाद था, पर इसमें आधुनिक शिक्षा की गहरी फिलॉसफी छुपी थी। आज की पीढ़ी डिजिटल नेटिव है। उनके लिए किताबें नहीं बल्कि स्क्रीन ज्ञान का पहला स्रोत है। हमें उन्हें स्क्रीन से दूर भगाने के बजाय स्क्रीन पर सही जानकारी को चुनना सिखाना होगा, और उसके पीछे के मानवीय मूल्यों को समझाना होगा। एक शिक्षक को यह समझना होगा कि छात्र अब केवल ब्लैकबोर्ड से नहीं, बल्कि वीडियो, पॉडकास्ट और इंटरेक्टिव ऐप्स से भी सीखते हैं। आज की पीढ़ी के लिए 'स्क्रीन' (मोबाइल, लैपटॉप, टैबलेट) सिर्फ एक गैजेट नहीं, बल्कि उनकी दुनिया का एक अभिन्न हिस्सा बन चुकी है। यह एक ऐसा माध्यम है जिसके जरिए वे जानकारी प्राप्त करते हैं, संवाद करते हैं और मनोरंजन करते हैं। इस स्थिति में, पारंपरिक शिक्षा पद्धति को पूरी तरह से नकारना बुद्धिमानी नहीं होगी, बल्कि हमें संस्कारों को तकनीक के साथ सही से मिलाना होगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक शक्तिशाली सहायक है, जो शिक्षकों को व्यक्तिगत ध्यान देने, रचनात्मकता को बढ़ावा देने और छात्रों की समस्याओं को गहराई से समझने का समय देता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आपको गणित के सूत्र समझा सकती है, लेकिन यह नहीं सिखा सकती कि जीवन में ईमानदारी क्यों जरूरी है। विज्ञान के नियम बता सकती है, लेकिन यह नहीं कि सहानुभूति क्यों रखनी चाहिए। शिक्षक का काम अब 'डेटा डंप' करना नहीं, बल्कि 'ज्ञान का क्युरेटर' बनना है। उन्हें छात्रों को सिखाना होगा कि डिजिटल दुनिया में झूठी खबरों को कैसे पहचानें, गोपनीयता का महत्व क्या है, और साइबर बुलिंग से कैसे बचें। उन्हें कृत्रिम बुद्धिमत्ता को एक उपकरण के रूप में प्रयोग करते हुए, छात्रों में आलोचनात्मक सोच, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, और सामाजिक जागरूकता विकसित करनी होगी। शिक्षकों को यह भी सोचना होगा कि क्या वे सिर्फ परीक्षा पास कराने वाले रोबोट बना रहे हैं, या ऐसे इंसान तैयार कर रहे हैं जो जीवन की हर चुनौती का सामना कर सकें। गुरु का स्थान ब्रह्मा, विष्णु, महेश से भी ऊपर माना गया है, क्योंकि वह अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाते हैं। आज यह प्रकाश सिर्फ किताबों का नहीं, बल्कि संस्कारों का, मूल्यों का और विवेक का भी होना चाहिए। भविष्य का शिक्षक वह नहीं होगा जो सबसे अधिक जानकारी रखता हो, बल्कि वह होगा जो छात्रों को सबसे अधिक प्रेरित कर सके। वह कृत्रिम बुद्धिमत्ता को अपने सहायक के रूप में उपयोग करेगा ताकि उसे छात्रों के साथ व्यक्तिगत रूप से जुड़ने का अधिक समय मिले। वह कक्षाओं को केवल सूचना केंद्र नहीं, बल्कि नैतिक और सामाजिक प्रयोगशालाएं बनाएगा जहां बच्चे जीवन मूल्यों को सीख सकेंध इसलिए, इस शिक्षक दिवस पर, हर शिक्षक खुद से सवाल पूछेध– 'क्या मैं सिर्फ 'पाठ्यक्रम' पढ़ा रहा हूं, या 'चरित्र' गढ़ रहा हूं, क्या मैं 'सूचना' दे रहा हूं, या 'समझ' विकसित कर रहा हूं? क्या सिर्फ 'स्क्रीन' का उपयोग कर रहा हूं, या 'संस्कारों' को भी रोपित कर रहा हूं?' जब तक शिक्षक इन सवालों का जवाब 'हां' में नहीं देगा, तब तक शिक्षा का वास्तविक अर्थ अधूरा ही रहेगा। हम सब शिक्षक मिलकर एक ऐसे भविष्य का निर्माण करें जहां तकनीक हमें आगे बढ़ाए, लेकिन मानवीय मूल्य हमें जमीन से जोड़े रखें। इस अद्वितीय सेतु के सच्चे निर्माता हमारे आदरणीय शिक्षक ही होंगे। इस महान लक्ष्य को प्राप्त करने में, कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल एक शक्तिशाली उपकरण हो सकता है, लेकिन शिक्षक ही असली शिल्पी रहेंगे। आज के शिक्षक को सिर्फ डेटा का आदान–प्रदान नहीं करना है, बल्कि उन्हें एक 'दीप' जलाना है जो बच्चों के भीतर मानवीयता, नैतिकता और आध्यात्मिकता की रोशनी भरे। यही वह प्रकाश होगा जो उन्हें आधुनिक दुनिया की चुनौतियों का सामना करने और एक सार्थक जीवन जीने में मदद करेगा। क्योंकि, स्क्रीन चाहे जितनी भी चमकदार क्यों न हो, वह कभी भी आपकी आंखों की चमक, आपकी आवाज की गर्माहट और आपके हाथों के स्पर्श की जगह नहीं ले सकती।

चिकित्सा और शिक्षा मुनाफे का खेल

प्रेम शर्मा

एकदम शत प्रतिशत,शुद्ध 24 केरेट का खेल चिकित्सा और शिक्षा के क्षेत्र में खेला जा रहा है। तेजी से बढ़ाते चिकित्सा एवं शिक्षा के बाजारीकरण से यह बॉत सिद्ध हो चुकी है। पिछले बीस वर्षो में देश में लाखों की संख्या में निजीक्षेत्र लक्जरी ट्रामा सेन्टर, बीमारी विशेष के स्पेसलिस्ट चिकित्सालयों की स्थापना, ऐसी एवं सर्व सुविधायुक्त फाईव स्टार संस्कृति से परिपूर्ण प्ले स्कूल, टेक्निकल कालेजों ने चिकित्सा एवं शिक्षा के महत्व को कम कर इसे मुनाफे के व्यवसाय में तब्दील कर दिया है। इस बॉत से न तो सरकार, न ही आमजनता अनभिज्ञ है, बल्कि उनके सामने इसका विकल्प नजर नही आ रहा है। सरकार के सरकारी चिकित्सालयों और सरकारी शिक्षाकेन्द्रों की दशा दिशा और दुर्दशा का फायदा देश के चंद पूंजीपतियों, राजनेताओ, कतिपय नौकरशाहों द्वारा उठाया जा रहा है। देश की हर राजधानी और मेट्रों शहरों में खुलने वाले निजी क्षेत्र के विशेष शैली और सुविधाओं वाले निजी हास्पिटलों एवं स्कूल, कालेजों के मालिकाना हक में कही न कही कोई न कोई राजनेता, मंत्री, सांसद, विधायक, नौकरशाह का नाम जुड़ा है। यही नही चिकित्सा के क्षेत्र में कतिपय सीएमओं की सेवा मे रहते एवं सेवानिवृत्ति के बाद की भागीदारी इस बॉत का संकेत है कि पैसे की हवस के आगे इन लोगों ने समाजसेवा और देश विकास के साथ खिलवाड़ करने में कोई कसर नही छोड़ी है। शिक्षा और चिकित्सा का जिस तेजी से बाजारीकरण हुआ है, उसने आम आदमी को बदहाली के कगार पर पहुंचाया है। महंगी शिक्षा ने जहां अभिभावकों का बजट हिला दिया है, वहीं चिकित्सा के नाम पर मुनाफाखोरी ने लाखों परिवारों को गरीबी के दलदल में धकेल दिया है। इस सम्बंध में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत द्वारा दी गई चेतावनी सत्ताधीशों की आंख खोलने वाली है। इंदौर में एक किफायती कैंसर देखभाल केंद्र का उद्घाटन करते हुए भागवत ने चेताया कि भारत में स्वास्थ्य–शिक्षा को सामाजिक दायित्व मानने की परंपरा रही है। दुर्भाग्य से आज स्कूल–कॉलेज और अस्पताल लाभ संचालित उपक्रमों में तब्दील हो गए हैं। मुनाफाखोरी की अंतहीन लिप्सा ने कथित गुणवत्ता वाले स्कूलों व अस्पतालों को आम आदमी की पहुंच से दूर किया है। उन्होंने कॉर्पोरेट शैली के कथित कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व यानी सीएसआर के जुमले के बजाय लोककल्याण के धार्मिक सिद्धांतों के अनुसरण की अपील करते हुए स्वास्थ्य–शिक्षा को सामाजिक दायित्व का निवर्हन करने का आग्रह किया था।चिकित्सा और शिक्षा की वर्तमान स्थिति निस्संदेह,यह चिंता हमारे समय की विसंगतियों पर तीखा प्रहार करती है। आज आम भारतीय परिवारों पर स्वास्थ्य सेवाओं का भारी वित्तीय बोझ बढ़ रहा है। विडंबना यह है कि इस खर्च का छोटा हिस्सा ही सरकारी खजाने से वहन किया जाता है, जो कि स्वास्थ्य खर्च का महज 17 फीसदी है। करीब 82 फीसदी स्वास्थ्य खर्च लोगों को मुश्किल हालात में वहन करना पड़ता है। आज देश की बड़ी आबादी गैर संक्रामक रोगों, मसलन हृदय रोग,मधुमेह व उच्च रक्तचाप आदि से जूझ रही है। इनकी जांच, चिकित्सकीय परामर्श और उपचार के लिये मरीजों को एक बड़ी रकम चुकाने को मजबूर होना पड़ता है। जो कि बीमा योजनाओं के द्वारा बमुश्किल ही पूरी की जाती है।इन स्थितियों के चलते अस्पताल में भर्ती होने के बाद कई परिवार जीवन भर के लिये कर्ज में डूब जाते हैं। तो कई परिवार हमेशा के लिये गरीबी की दलदल में धंस जाते हैं। सरस्वती के मंदिर आज व्यापार के केंद्र बन गये हैं। अभिभावकों को उल्टे उस्तरे से मूंडने के लिये नये–नये तौर–तरीके निकाले जा रहे हैं। ट्यूशन, एडमिशन,बिल्डिंग फीस, ट्रांसपोर्ट जैसे तमाम मदों के नाम पर अभिभावकों का दोहन

किया जाता है। इतना ही नहीं किताबें व ड्रेस तक शिक्षण संस्थानों की हिस्सेदारी वाली दुकानों से खरीदने को बाध्य किया जाता है। यहां तक कि आम शहरों में, माता–पिता प्रति बच्चे पर सालाना साठ हजार से भी ज्यादा खर्च कर रहे हैं। कुछ अभिभावक तो अपनी आय का लगभग आधा हिस्सा ट्यूशन और शिक्षा से जुड़े मदों पर खर्च कर रहे हैं। फीस, कापी किताबे और ड्रेस का विवाद लगभग हर नए सत्र के दौरान देश के किसी न किसी शहर और नामी स्कूलों देखा जाता है विरोध भी होता है लेकिन फिर अभिभावक मजबूरी में अपना दोहन कराता है। हैदराबाद के एक स्कूल में नर्सरी में दाखिले की सालाना फीस ढाई लाख रुपये बतायी गई। जिससे अभिभावकों में भारी रोष व्याप्त हो गया। जिसके बाद महंगी होती शिक्षा को लेकर नई बहस छिड़ गई। दिल्ली, लखनऊ, मुम्बई जैसे देश के तमाम शहर ऐसे है जिनमें छोटी छोटी क्लासों की सलाना फीस लाखों रूपये है। निस्संदेह, बढ़ती फीस के ये आंकड़े शिक्षा के बढ़ते व्यवसायीकरण को भी रेखांकित करते हैं। पिछले दिनों दिल्ली के निजी स्कूलों में अनाप–शनाप फीस बढ़ाए जाने के खिलाफ अभिभावक सड़कों पर उतरे। जिसने दिल्ली सरकार को बाध्य किया कि इस दिशा में सकारात्मक पहल करे। इस आंदोलन के उत्साहजनक परिणाम सामने आए। कालांतर दिल्ली सरकार को निजी स्कूलों की फीस को विनियमित करने वाला विधेयक पारित करने को बाध्य होना पड़ा। जो इस दिशा में एक उत्साहजनक पहल कही जा सकती है। चिकित्सा और शिक्षा के क्षेत्र के अधरधुध बाजारी को रोकने के लिए मोदी सरकार को गंभीरता से विचार–विमर्श करना चाहिए। दरअसल, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा को बाजार की वस्तु के बजाय नागरिक अधिकारों के दायरे में लाने की जरूरत है। इन क्षेत्रों को राजस्व स्रोत के बजाय नागरिक दायित्वों के रूप में मानकर सरकार समता का समाज स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ सकती है। इस बॉत से कोई इंकार नही कर सकता कि स्वस्थ्य और शिक्षित जनता देश के विकास की पहली सीढ़ी है। ऐसे में सरकार को एक कदम आगें आकर विरोध को स्वीकार करते कठोर कदम उठाने होगें।

प्रिया के निधन पर भाई सुबोध ने जताया शोक, बोले–मेरी बहन फाइटर थी, लेकिन कैंसर ने उनका पीछा नहीं छोड़ा

टीवी इंडस्ट्री से आज एक बेहद बुरी खबर सामने आई। श्पवित्र रिश्ताश जैसे लोकप्रिय शो से घर–घर में पहचान बनाने वाली प्रिया मराठे का 31 अगस्त को निधन हो गया। वह सिर्फ 38 वर्ष की आयु में कैंसर के चलते इस दुनिया को अलविदा कह गईं। एक्ट्रेस के निधन से उनके परिवार और इंडस्ट्री में मातम छा गया गया है। इसी बीच हाल ही में प्रिया के भाई व मराठी एक्टर सुबोध भावे ने अपनी बहन के निधन पर शोक व्यकत किया है। प्रिया मराठे के चचेरे भाई और एक्टर सुबोध भावे ने अपनी बहन को श्रद्धांजलि देते हुए उन्हें 'फाइटर बहन' बताया और कहा कि प्रिया ने हर मुश्किल का सामना बड़ी हिम्मत से किया, लेकिन आखिरकार बीमारी ने उनकी जिंदगी छीन ली। सुबोध ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर बहन संग एक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा–एक बेहतरीन एक्ट्रेस, कुछ धारावाहिकों और फिल्मों में मेरी सह–कलाकार। लेकिन मेरे लिए सबसे अहम रिश्ता उनके साथ था। प्रिया मेरी चचेरी बहन हैं। इस क्षेत्र में आने पर उन्होंने जो कड़ी मेहनत की, अपने काम पर उनका विश्वास, ये सब बातें काबिले तारीफ थीं। उन्होंने हर किरदार को पूरे दिल और लगन से निभाया। कुछ साल पहले उन्हें कैंसर का पता चला था। इससे लड़ने के बाद, उन्होंने फिर से काम करना शुरू कर दिया। वह फिर से नाटकों और धारावाहिकों में अपने सहज और खूबसूरत अभिनय से दर्शकों के सामने आईं, लेकिन कैंसर ने उनका पीछा नहीं छोड़ा। हमारे ध ाारावाहिक तू भेषी नव्याने के दौरान, उनकी परेशाानियाँ एक बार फिर बढ़ गईं। उनके साथी /ींदजंदनेउवहीम इस पूरे सफर में उनके साथ मजबूती से रहे। मेरी बहन एक योद्धा थीं, लेकिन आखिरकार उनकी ताकत कम हो गई।आपको भावभीनी श्रद्धांजलि प्रिय. आप जहाँ भी हों, आपको शांति मिले.ओम शांति बहुत कम लोग जानते होंगे कि प्रिया मराठे ने अपने करियर की शुरुआत स्टैंड–अप कॉमेडी से की थी और फिर धीरे–धीरे उन्होंने टीवी सीरियल्स की ओर अपना रुख किया और मराठी धारावाहिकों 'या सुखानोया' और 'चार दिवस सासुचे' से पहचान बनानी शुरू की, लेकिन असली शोहरत उन्हें हिंदी टीवी सीरियल 'पवित्र रिश्ता' में वर्शा के किरदार से मिली। इस शो में उन्होंने दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत के साथ स्क्रीन शेयर की थी। इस सीरियल के बाद उन्होंने 'बड़े अच्छे लगते हैं' में ज्योति मल्होत्रा का किरदार निभाकर लोगों का दिल जीता। वहीं, मराठी शो 'तू तिथे मी' में उन्होंने ग्रे शेड्स वाला नेगेटिव किरदार निभाकर अपनी एक्टिंग का लोहा मनवाया।इसके बाद, साल 2017 में वह स्टार प्लस के मशहूर शो 'साथ निभाना साथिया' से जुड़ीं, जहां उन्होंने भावनी राठौड़ का दमदार किरदार निभाकर अपनी अदाकारी की छाप छोड़ी, लेकिन अफसोस कैंसर की बीमारी ने हमसे टीवी की यह दमदार अदाकारा छीन ली।

> “
> क्ट्रेस के निधन से उनके परिवार और इंडस्ट्री में मातम छा गया गया है। इसी बीच हाल ही में प्रिया के भाई व मराठी एक्टर सुबोध भावे ने अपनी बहन के निधन पर शोक व्यकत किया है। प्रिया मराठे के चचेरे भाई और एक्टर सुबोध भावे ने अपनी बहन को श्रद्धांजलि देते हुए उन्हें 'फाइटर बहन' बताया और कहा कि प्रिया ने हर मुश्किल का सामना बड़ी हिम्मत से किया, लेकिन आखिरकार बीमारी ने उनकी जिंदगी छीन ली।

विवेक रंजन अग्निहोत्री की 'द बंगाल फाइल्स' की एडवांस बुकिंग हुई शुरू!

विवेक रंजन अग्निहोत्री की फिल्म द बंगाल फाइल्स 16 अगस्त 1946 को कोलकाता में हुए डायरेक्ट एक्शन डे की दर्दनाक पृष्ठभूमि पर बनी है। बता दें कि उनकी ये फिल्म, उनके द्वारा सच दिखाने वाली ट्रिलॉजी का आखिरी चौप्टर है, जिसमें द ताशकंद फाइल्स और द कश्मीर फाइल्स पहले आ चुकी हैं। फिल्म का टीजर पहले ही पूरे देश में सनसनी फैला चुका था, और अब जब इसका जोरदार ट्रेलर रिलीज हुआ तो दर्शक इसकी सच्चाई से भरी झलक देखकर दंग रह गए। अब जब फिल्म रिलीज के करीब है, एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है। सोशल मीडिया पर विवेक रंजन अग्निहोत्री ने एक दमदार पोस्टर शेयर किया और साथ ही ये ऐलान किया कि अब एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है। उन्होंने इसे कैप्शन देते हुए लिखा है– ष्एडवांस बुकिंग अब शुरू हो चुकी है। हिंदू नरसंहार का सच अब और छुपाया नहीं जा सकता। द बंगाल फाइल्स सिर्फ एक फिल्म नहीं है, ये एक ऐसा अनुभव है जो आपकी आत्मा को हिला देगा।

मुझे आत्मदाह के सिवा कुछ नही सूझ रहा..पवन सिंह के बैड टच विवाद के बीच पत्नी का शॉकिंग पोस्ट, पति से कर रही ऐसी मिन्नतें

भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार पवन सिंह इन दिनों हरियाणवी सिंगर अंजलि राघव को गलत तरीके से छूने के वीडियो को लेकर विवादों में घिरे हुए हैं। हालांकि, इस वीडियो पर एक्टर अपनी सफाई देते हुए माफी भी मांग चुके हैं, लेकिन मामला अभी शांत नहीं हुआ है। इन सब के बीच अब हाल ही में पवन सिंह की दूसरी पत्नी ज्योति सिंह का शॉकिंग पोस्ट सामने आया है, जिसमें उन्होंने बड़े दुखी मन से दिल की बात कही है। अपने पति पवन सिंह संग संबंध ाों को लेकर दूसरी पत्नी ज्योति सिंह ने एक फोटो शेयर की, जिसमें सिंगर अपनी वाइफ की मांग में सिंदूर भरते हुए नजर आ रहे हैं। ज्योति के इंस्टा पोस्ट कैप्शन में लिखा– आदरणीय पति पवन सिंह मैं कई महीनों से आप से कुछ पारिवारिक और राजनीतिक मुद्दों पर बात करने की कोशिश कर रही हूं। लेकिन आपने या आपके साथ रहने वालों लोगों ने मेरे कॉल या मैसेज का रिप्लाई देना उचित नहीं समझा। मैं लखनऊ भी आपसे मिलने पहुंची पर वहां पर भी मुलाकात नहीं हो पाई। मेरे पिता भी दो महीने पहले आपसे मिलने गए, लेकिन कोई हल नहीं निकला। उन्होंने आगे लिखा– मेरी ये समझ में नहीं आता है कि मैंने दुनिया का ऐसा कौन सा बड़ा पाप कर दिया है, जिसकी इतनी बड़ी सजा मुझे मिल रही है। मेरे माता–पिता की इज्जत से खेलने का काम किया जा रहा है। अगर मुझ अलग ही रहना था तो लोकसभा चुनाव में झूठा आश्वासन देकर अपने साथ क्यों लाए। मुझे आत्मदाह के सिवा कुछ नही सूझ रहा हैं। लेकिन मैं ऐसा नहीं कर सकती, अगर मैं आत्मदाह करूंगी भी तो सवाल मुझ पर ही उठेंगे और मेरे मां बाप पर उठेंगे। सात सालों से मैं संघर्ष कर रही हूं और नहीं हो सकता। अब मुझे अपने ही जीवन से नफरत होती जा रही है। एक बार आप मुझसे बात कर लीजिए मेरे कॉल मैसेज का रिप्लाई दे दीजिए कभी तो मेरा दर्द समझिए। मैंने अपना पत्नी धर्म निभाया है और अब आप भी ऐसा करिए ना। पवन सिंह इस वक्त अंजलि राघव को गलत तरीके से छूने के मामले को लेकर विवादों में घिरे हुए हैं। हालांकि, पवन की पत्नी ज्योति सिंह ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

परम सुंदरी, कुली, वॉर 2 और नरसिम्हा महावतार का कैसा रहा बॉक्स ऑफिस पर हाल

इन दिनों कई फ़िल्में सिनेमाघरों में धूम मचा रही हैं। इनमें श्परम सुंदरीश, श्कुलीश, श्वॉर 2श और श्महावतार नरसिम्हाश जैसी फ़िल्में शामिल हैं। रविवार सभी फ़िल्मों के लिए अच्छा दिन रहा क्योंकि लगभग सभी फ़िल्मों ने 31 अगस्त को अच्छी कमाई की। आइए जानते हैं कि इन फ़िल्मों ने रविवार को बॉक्स ऑफिस पर कितना कलेक्शन किया।

परम सुंदरी

सिद्धार्थ मल्होत्रा घ्और जान्हवी कपूर की उत्तर–दक्षिण प्रेम कहानी वाली फिल्म श्परम सुंदरीश ने अपने शुरुआती सप्ताहांत में लगभग घ्27 करोड़ की कमाई की, जिसे विशेषज्ञों ने ष्सकारात्मक परिणामष बताया। शाहरुख खान की श्चेन्नई एक्सप्रेसश से तुलना की जा रही इस फिल्म ने 30 अगस्त को अपने पहले दिन घ्7.25 करोड़ की कमाई की और तब से लगातार कमाई कर रही है। फिल्म ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने कहा था कि पहले वीकेंड में लगभग घ्27 करोड़ ख्+/–, की कमाई एक सकारात्मक परिणाम है।

कुली

साउथ सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म श्कुलीश ने बॉक्स ऑफिस पर फिर से रफ्तार पकड़ ली है। पिछले कुछ दिनों से फिल्म की कमाई में गिरावट देखी जा रही है। हालांकि, वीकेंड पर फिल्म की कमाई में बढ़ोतरी हुई है। पहले दिन 65 करोड़ रुपये से खाता खोलने वाली इस फिल्म ने पहले हफ्ते में 229.65 करोड़ रुपये का कारोबार किया। दूसरे हफ्ते में फिल्म ने 41.85 करोड़ रुपये कमाए। रविवार को फिल्म ने 3 करोड़ रुपये का कारोबार किया। 14 अगस्त को रिलीज़ हो रही इस फिल्म की कुल कमाई 279 करोड़ रुपये हो गई है।

वॉर 2

ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर की फिल्म श्वॉर 2श की कमाई में कमी आ रही है, हालांकि वीकेंड पर फिल्म को कुछ फायदा हुआ है। 14 अगस्त को रिलीज़ हुई इस फिल्म ने शनिवार को 1.10 करोड़ रुपये कमाए। रविवार को फिल्म ने 1.50 करोड़ रुपये कमाए। श्वॉर 2श ने 18 दिनों में कुल 234.55 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। शुरुआत में श्कुलीश और श्वॉर 2श फिल्मों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली थी। हालाँकि, अब श्वॉर 2श, श्कुलीश से पीछे रह गई है।

महावतार नरसिम्हा

एनिमेटेड फिल्म श्महावतार नरसिम्हाश को सिनेमाघरों में रिलीज़ हुए 38 दिन हो चुके हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म ने रविवार को लगभग 3.2 करोड़ रुपये कमाए। श्महावतार नरसिम्हाश का अब तक का कुल कलेक्शन 244.3 करोड़ रुपये हो गया है।

अजुल गाने पर बढ़ा विवाद तो गुरु रंधावा ने आलोचकों के लिए शेयर किया क्रिप्टिक पोस्ट

मशहूर गायक गुरु रंधावा का हाल ही में रिलीज हुआ गाना 'अजुल' विवादों में घिर गया है। जहां एक तरफ यह गाना लोगों के बीच लोकप्रिय हो रहा है, वहीं दूसरी ओर कुछ लोग इस पर सवाल उठा रहे हैं। उनका मानना है कि गाने में स्कूली छात्राओं को अनुचित तरीके से दिखाया गया है।

क्या है विवाद?

इस गाने के म्यूजिक वीडियो में गुरु रंधावा एक फ़ोटोग्राफ़ी शिक्षक की भूमिका में हैं, जो एक लड़कियों के स्कूल में तस्वीरें लेने जाते हैं। वीडियो में छात्रा की भूमिका निभा रही अभिनेत्री अंशिका पांडे एक डांस सीक्वेंस करती हैं, जिससे गुरु का किरदार मंत्रमुग्ध हो जाता है। आलोचकों का कहना है कि यह दृश्य और वीडियो का कॉन्सेप्ट आपत्तिजनक है।

गुरु रंधावा ने विवाद पर क्या कहा?

विवाद बढ़ने के बाद, गुरु रंधावा ने सीधे तौर पर कोई बयान जारी नहीं किया, लेकिन उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर कुछ पोस्ट शेयर किए। उन्होंने पंजाबी में लिखा, श्जदो मैं सब नू खुश करने लगा, दुखी हो गया। अज्ज मैं खुद खुश हूं, सब दुखी हो गए।श (जब मैंने सबको खुश करने की कोशिश की, तो मैं दुखी था। आज, जब मैं खुद खुश हूं, तो बाकी सब दुखी हैं।) इससे पहले उन्होंने एक और पोस्ट में गाने की सफलता के लिए भगवान का शुक्रिया अदा किया था। उन्होंने लिखा, श्अजुल इज अजुलिंग। जब भगवान आपके साथ होते हैं, तो आप आगे बढ़ते हैं।श यह गाना गुरु रंधावा ने ही लिखा और कंपोज किया है, जिसके अतिरिक्त बोल गुरजीत गिल ने लिखे हैं।

यूरिक एसिड एक प्रकार का रसायन है जो हमारे शरीर में (प्यूरिन) के टूटने से बनता है। अगर शरीर में यूरिक एसिड की मात्रा ज्यादा हो जाती है, तो इससे गाउट, किडनी स्टोन, और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। कुछ खाद्य पदार्थ, खासकर सब्जियाँ, यूरिक एसिड के स्तर को बढ़ा सकती हैं। इसलिए, अगर आप यूरिक एसिड की समस्या से परेशान हैं, तो आपको अपनी डाइट पर ध्यान देने की जरूरत है। आजकल बहुत से लोग यूरिक एसिड बढ़ने से परेशान रहते हैं, यह गाउट, जोड़ों में दर्द, किडनी की पथरी जैसी समस्याओं का बड़ा कारण है, कुछ सब्जियां इसका लेवल बढ़ा सकती हैं। ऐसे में यूरिक एसिड बढ़ने पर आपको कुछ सब्जियों के सेवन से बचना चाइए। इस लेख में हम पांच ऐसी सब्जियों के बारे में जानेंगे जो यूरिक एसिड को बढ़ा सकती हैं।

पालक

पालक में प्यूरिन की उच्च मात्रा होती है, जो शरीर में यूरिक एसिड के स्तर को बढ़ा सकती है। हालांकि, पालक पोषक तत्वों से भरपूर होती है, इसलिए इसे सीमित मात्रा में खाना चाहिए। ऐसे में यूरिक एसिड के मरीज पालक का सेवन न करे।

ब्रोकोली

ब्रोकोली में प्यूरिन की मात्रा बहुत कम होती है, जिससे यह यूरिक एसिड के स्तर को काफी हद तक नहीं बढ़ाती। इसलिए, ब्रोकोली को सामान्य मात्रा में खाना आमतौर पर सुरक्षित होता है। अगर आपको यूरिक एसिड की समस्या है, तो ब्रोकोली को अपनी डाइट में शामिल करना आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। हालांकि, आपको एक संतुलित आहार अपनाना चाहिए और डॉक्टर की सलाह के अनुसार खाने की योजना बनानी चाहिए।

फूलगोभी

एक पौष्टिक सब्जी है जो हमारे आहार में शामिल की जाती है। लेकिन फूलगोभी में प्यूरिन की मात्रा अधिक होती है, इसलिए यह यूरिक एसिड के स्तर को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। साथ ही,इसे खाने से शरीर को कई बिमारियों का खतरा बढ़ जाता हैं।

टमाटर

टमाटर में भी प्यूरिन होता है, और यह कुछ लोगों में यूरिक एसिड के स्तर को बढ़ा सकता है, हालांकि यह प्रभाव अलग–अलग लोगों पर अलग–अलग हो सकता है।

मशरूम

मशरूम में प्यूरिन की मात्रा अधिक होती है, जो यूरिक एसिड के स्तर को बढ़ाने में योगदान कर सकती है।

बीन

विभिन्न प्रकार की बीन्स, जैसे राजमा और चने, में भी प्यूरिन की मात्रा होती है। इन्हें अधिक मात्रा में खाने से यूरिक एसिड का स्तर बढ़ सकता है।

अदरक

अदरक में भी प्यूरीन होता है, जो गाउट (ळवनज) के लक्षणों को बढ़ा सकता है।

हरी मटर

हरी मटर में प्यूरीन की अधिकता होती है, और इसका अधिक सेवन करने से यूरिक एसिड का स्तर बढ़ सकता है।

स्वास्थ्य और सेहत के मामलों में डॉक्टर की सलाह लेना अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। विशेषज्ञ से परामर्श करने से आपको सही दिशा–निर्देश मिलते हैं और आपके स्वास्थ्य समस्याओं का सही समाधान होता है। इसलिए, किसी भी स्वास्थ्य समस्या या चिकित्सा स्थिति के लिए डॉक्टर की सलाह अवश्य लें। आपकी सेहत ही सबसे बड़ी संपत्ति है, और इसे ठीक से देखभाल करना आपकी जिम्मेदारी है।

आजकल की तेज–रफ्तार जिंदगी और स्क्रीन पर बिताए गए समय के कारण आंखों की समस्याएं आम होती जा रही हैं। बहुत से लोग चश्मे का सहारा लेते हैं या आंखों की रोशनी कम होने की समस्या का सामना कर रहे हैं। हालांकि, चिकित्सा विज्ञान और दवाइयों के अलावा भी आंखों की देखभाल के लिए कुछ नेचुरल उपाय मौजूद हैं। योग और व्यायाम की मदद से आपकी आंखों की सेहत में सुधार हो सकता है। विशेष रूप से, कुछ योगासन और तकनीकें हैं जो आंखों की मांसपेशियों को मजबूत बनाकर, रक्त प्रवाह को बढ़ाकर, और दृष्टि को सुधारने में मदद कर सकती हैं। अगर आप नियमित रूप से इन योगासनों का अभ्यास करें, तो आपकी आंखों की रोशनी में सुधार संभव है और आप चश्मा लगाने से भी मुक्ति पा सकते हैं। इस लेख में हम आपको ऐसे ही कुछ प्रभावशाली योगासनों के बारे में बताएंगे, जो आपकी आंखों की देखभाल में सहायक हो सकते हैं। चलिए जानते हैं उन योगासन के बारे में

अंजन चालन

सीधे बैठ जाएँ और अपनी आँखों को बंद करें। अब अपनी आँखों को धीरे–धीरे ऊपर, नीचे, बाईं और दाईं ओर घुमाएँ। यह प्रक्रिया 5–10 बार हर दिशा में करें।

यह आंखों की मांसपेशियों को मजबूत बनाता है और दृष्टि में सुधार लाता है।

पलकों की एक्सरसाइज

आरामदायक स्थिति में बैठ जाएँ। अपनी आँखों को पूरी तरह से बंद करें और पलकों को तेजी से ऊपर–नीचे करें। यह प्रक्रिया 10–15 बार करें। यह आंखों की मांसपेशियों को स्फूर्ति और ताकत प्रदान करता है, जिससे आंखों का थकावट दूर होता है।

ध्यान और त्राटक

एक स्थिर बिंदु, जैसे मोमबत्ती की लौ या किसी छोटे बिंदु पर ध्यान केंद्रित करें। ध्यान लगाते हुए इसे बिना पलक झपकाए देखें। कुछ समय बाद आँखें बंद कर लें और गहरी सांस लें।यह आंखों की मांसपेशियों को प्रशिक्षित करता है, आंखों की रोशनी में सुधार लाता है, और तनाव कम करता है।

सूक्ष्म प्राणायाम

त्राटक योग के साथ साथ आंखों के सूक्ष्म प्राणायाम को भी काफी मददगार कहा गया है। इस योग में अपने हाथ के अंगूठे को देखते रहना है। फिर हाथ को दाईं से बाईं तरफ और बाईं से दाईं तरफ घुमाना है और आंखों को भी अंगूठे पर केंद्रित रखना है। यानी जहां जहां अंगूठा जाएगा, आंखों को वहीं ध्यान केंद्रित करना है। इस व्यायाम को रोज करीब 15 मिनट तक करने पर आंखों की रोशनी तेज होती है और साथ साथ आंखों से जुड़ी कई परेशानियां दूर होती हैं। कहा गया है कि इन दोनों योग को लगातार कुछ महीने तक किया जाए तो बिना दवाई और ऑपरेशन के आपकी आंखों से पावर का चश्मा उतर सकता है। इन दोनों व्यायाम को सुबह के समय करना चाहिए। इसके साथ साथ आंखों को आराम देना, मोबाइल कम देखना और आई एक्सपोजर कम करने से भी मदद मिलती है।

नेत्र प्यारी

दोनों हाथों को गहरे से गर्म करें और फिर अपनी आँखों को पूरी तरह से ढक लें। आराम की स्थिति में बैठें और गहरी सांस लें। यह प्रक्रिया 2–3 मिनट तक करें।

यह आंखों को आराम देता है, दृष्टि में सुधार लाता है, और आँखों के थकावट को कम करता है।

इन योगासनों का नियमित अभ्यास (हर दिन 15–20 मिनट) तीन महीने के भीतर आपकी आंखों की रोशनी पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। ध्यान दें कि इन आसनों को सही विधि और नियमितता के साथ किया जाए, ताकि अधिकतम लाभ प्राप्त हो सके।

बरसात के मौसम में फलों का सेवन करना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इस मौसम में कई पौष्टिक फल होते हैं, जो हमारी सेहत को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। इनमें से एक खास फल है नाशपाती, जो स्वाद में तो लाजवाब है ही, साथ ही पोषक तत्वों से भी भरपूर है। नाशपाती को सेहत के लिए एक वरदान माना जा सकता है, क्योंकि इसमें कई महत्वपूर्ण विटामिन्स, मिनरल्स और प्लांट कंपाउंड्स होते हैं जो हमें कई बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं। यह फल डायबिटीज और वजन घटाने में सहायक होता हैं। नाशपाती के स्वास्थ्य लाभों पर कई शोध भी किए गए हैं, जो इसके फायदे साबित करते हैं। आइए, जानते हैं नाशपाती खाने के प्रमुख फायदों के बारे में।

पाचन तंत्र को ठीक करे

नाशपाती में मौजूद हाई फाइबर पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने में मदगार साबित होता हैं। यह पाचन तंत्र के लिए जरूरी होते हैं। फाइबर शरीर में जाकर पेट साफ करने में मदद करता है और आंतों की परेशानियों से राहत दिलाता है। एक नाशपाती में करीब 6 ग्राम फाइबर होता है, जो आपकी दैनिक जरूरत का 21 प्रतिशत है। नाशपाती पेक्टिन से भरपूर होता है, जो पेट की सेहत को बेहतर बनाता है। यह फल कब्ज से राहत दिलाता है। नाशपाती के छिलके में पर्याप्त मात्रा में फाइबर होता है, इसलिए इस फल को बिना छीले खाना सबसे अच्छा है।

हृदय स्वास्थ्य को ठीक करे

नाशपाती में पोटेशियम की अच्छी मात्रा होती है, जो रक्तचाप को कंट्रोल करने में मदद करता है और हृदय स्वास्थ्य को बनाए रखता है। नाशपाती आपके हृदय के स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद हो सकती है। इसमें प्रोसायनिडिन नामक एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट होता है, जो दिल के टिशू को सख्त होने से बचाता है। इसके चलते बैड कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल) कम होता है और गुड कोलेस्ट्रॉल (एचडीएल) बढ़ता है, जिससे हृदय रोग का खतरा कम होता है। नाशपाती के छिलके में क्वेरसेटिन नामक एक और एंटीऑक्सीडेंट होता है, जो सूजन को कम करने में मदद करता है और दिल की सेहत को बेहतर बनाता है।

वजन घटाने में असरदार

वजन घटाने में नाशपाती बेहद प्रभावशाली साबित हो सकती है। इसमें कैलोरी की मात्रा कम होती है, जबकि पानी और फाइबर की भरपूर मात्रा होती है। यह वजन घटाने में मदद करता है, क्योंकि फाइबर और पानी पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराते हैं, जिससे आप कम खाने की इच्छा होती हैं। इसका उच्च फाइबर कंटेंट वजन घटाने में मदद कर सकता है क्योंकि यह पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराता है और अधिक खाने की इच्छा को कम करता है।

हड्डियों को मजबूत बनाने में सहायक

नाशपाती में विटामिन सी अच्छी मात्रा में होता है, जो हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है। विटामिन सी हड्डियों के निर्माण और उनकी मजबूती के लिए आवश्यक है, क्योंकि यह हड्डियों में कैल्शियम को सही स्थान पर जमा करने में मदद करता है और हड्डियों की घनत्व को बनाए रखता है।

नाशपाती का सेवन स्किन के लिए फायदेमंद

नाशपाती में विटामिन सी अच्छी मात्रा में होता है, जो त्वचा की चमक को बनाए रखने और उसे स्वस्थ रखने के लिए जरूरी है। विटामिन ब कोलेजन के उत्पादन को बढ़ावा देता है, जो त्वचा की लोच और मजबूती के लिए महत्वपूर्ण है। नाशपाती में पानी की अच्छी मात्रा होती है, जो त्वचा को हाइड्रेटेड रखने में मदद करता है। अच्छी तरह हाइड्रेटेड त्वचा नर्म और चमकदार रहती है, और जल्दी से सूखती नहीं है।

इन फायदों के साथ, नाशपाती को अपने दैनिक आहार में शामिल करना एक स्वस्थ जीवनशैली के लिए अच्छा होता है।

पतले होने के लिए कई लोग विभिन्न उपाय अपनाते हैं, और उनमें से एक सरल लेकिन प्रभावी तरीका गर्म पानी का सेवन करना है। गर्म पानी पीने के कई स्वास्थ्य लाभ होते हैं, जो वजन घटाने में सहायक हो सकते हैं। यह प्रक्रिया आपके पाचन तंत्र को सक्रिय करने, मेटाबोलिज्म को बढ़ावा देने और शरीर से टॉक्सिक पदार्थों को बाहर निकालने में मदद कर सकती है। गर्म पानी पीने का सही तरीका और समय जानना भी महत्वपूर्ण है, ताकि आप इसके लाभों का पूरा उपयोग कर सकें। सुबह खाली पेट, भोजन के पहले और बाद में, और रात को सोने से पहले गर्म पानी पीना आपकी सेहत को बेहतर बनाने और वजन घटाने में मदद कर सकता है। इस लेख में, हम आपको बताएंगे कि गर्म पानी पीने का सही तरीका क्या है और यह कैसे आपके पतले होने के लक्ष्य को पूरा करने में सहायक हो सकता है। चलिए जानते हैं.....

गर्म पानी कब पिएं

सुबह खाली पेट

सुबह उठने के बाद खाली पेट गर्म पानी पीना बहुत लाभकारी होता है। यह आपके मेटाबोलिज्म को सक्रिय करता है और पाचन तंत्र को साफ करता है।

भोजन के पहले

भोजन के 20–30 मिनट पहले एक गिलास गर्म पानी पीना आपके पाचन में मदद कर सकता है और खाना अच्छी तरह से पचने में सहायता करता है।

भोजन के बाद

भोजन के बाद गर्म पानी पीने से पाचन में सहायता मिलती है और पेट की भावना को हल्का किया जा सकता है। हालांकि, भोजन के तुरंत बाद पानी पीने से बचना चाहिए।

रात को सोने से पहले

रात को सोने से पहले एक गिलास गर्म पानी पीने से शरीर में विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद मिलती है और नींद की गुणवत्ता में सुधार हो सकता है।

ताजा और स्वच्छ पानी

हमेशा ताजे और स्वच्छ पानी का उपयोग करें। उबालकर पानी पीना बेहतर होता है क्योंकि इससे बैक्टीरिया और अन्य संक्रमणों का खतरा कम होता है।

अधिक गर्म न करें

पानी को इतना गर्म न करें कि पीने में मुश्किल हो। सामान्यतः, हल्के गर्म पानी को पीना सबसे अच्छा होता है।

संतुलित मात्रा में पिएं

गर्म पानी का सेवन संतुलित मात्रा में करें। अत्यधिक गर्म पानी पीने से शरीर में गर्मी बढ़ सकती है और इससे स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।

गर्म पानी पीने के लाभ

मेटाबोलिज्म को बढ़ावा

गर्म पानी पीने से आपके मेटाबोलिज्म की गति बढ़ जाती है, जिससे कैलोरी जलाने में मदद मिलती है। यह आपके वजन घटाने की प्रक्रिया को तेज कर सकता है।

डाइजेशन में सुधार

गर्म पानी आपके पाचन तंत्र को उत्तेजित करता है और खाना पचाने में मदद करता है। इससे पेट में गैस, सूजन और अन्य पाचन संबंधी समस्याओं को कम किया जा सकता है।

टॉक्सिन्स का फ्लश आउट

गर्म पानी पीने से शरीर से विषाक्त पदार्थों (टॉक्सिन्स) को बाहर निकालने में मदद मिलती है, जो त्वचा और आंतरिक अंगों के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है।

हंगर क्रेविंग्स को नियंत्रित करना

गर्म पानी पीने से आपको अधिक तृप्ति महसूस हो सकती है, जिससे आपके भोजन की मात्रा कम हो सकती है और वजन घटाने में सहायता मिलती है।

गर्म पानी पीना एक साधारण और असरदार उपाय हो सकता है, लेकिन इसे अन्य स्वस्थ जीवनशैली के आदतों के साथ मिलाकर उपयोग करना सबसे प्रभावी होता है। वजन घटाने के लिए एक स्वस्थ आहार और नियमित व्यायाम भी महत्वपूर्ण हैं।

संक्षिप्त

दिल्ली सरकार दिवाली से पहले व्यापारियों को 1,600 करोड़ रुपये के लंबित जीएसटी रिफंड वितरित केरगी

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को2019 से लंबित लगभग 1,600 करोड़ रुपये का माल एवं सेवा कर (जीएसटी) रिफंड व्यापारियों को दिवाली से पहले जारी करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री गुप्ता ने रविवार को सिविल लाइंस स्थित अपने कैंप कार्यालय में जीएसटी विभाग की एक विशेष बैठक बुलाई, जिसमें जीएसटी आयुक्त नंदिनी पालीवाल, वित्त सचिव शूरवीर सिंह और विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि पिछली (आम आदमी पार्टी सरकार) सरकार इस लंबित राशि के निपटान के लिए कोई ठोस उपाय करने में विफल रही। गुप्ता ने निर्देश दिया कि दिवाली से पहले व्यापारियों को पूरी रिफंड राशि वितरित की जाए। उन्होंने कहा कि रिफंड प्रक्रिया को तेज और अधिक पारदर्शी बनाने के लिए दिल्ली जीएसटी विभाग ने आईआईटी–हैदराबाद के सहयोग से एक उन्नत आईटी मॉड्यूल विकसित किया है। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया कि सभी लंबित, निर्विवाद और वास्तविक रिफंड आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर नियमों के अनुसार सख्ती से निपटारा किया जाए।

जीएसटी व कर सुधारों से घरेलू मांग को सहारा मिलने की उम्मीद, टैरिफ अनिश्चितताओं से विकास पर जोखिम

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर टैरिफ अस्थिरता और भू–राजनीतिक तनावों के बीच भारत की जीडीपी की रफ्तार अगले कुछ तिमाहियों में धीमी पड़ सकती है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) की मैक्रो रिव्यू रिपोर्ट में कहा गया है कि बढ़े हुए टैरिफ का असर निर्यात पर दिखने लगेगा। हालांकि, रिपोर्ट में यह भी उल्लेख है कि आगामी त्योहारों से पहले जीएसटी दरों में संभावित कटौती और हाल में किए गए आयकर सुधार उपभोग आधारित क्षेत्रों को मजबूती देंगे। इससे घरेलू मांग को सहारा मिलने की उम्मीद जताई गई है। एनएसई ने चेतावनी दी कि नए टैरिफ कदम और निर्यात व निजी निवेश पर उनके प्रभाव जोखिम पैदा कर सकते हैं। खास तौर पर, अमेरिकी टैरिफ को लेकर अनिश्चितता, कॉर्पोरेट जोखिम उठाने की क्षमता को कम कर सकती है। रिपोर्ट में उम्मीद जताई गई है कि भारत वित्त वर्ष के लिए अपनी अनुमानित 6.5 प्रतिशत की विकास दर हासिल करने की राह पर बना रहेगा। इसे ग्रामीण मांग को मजबूत कृषि संभावनाओं से बढ़ावा मिल सकता है। वहीं शहरी उपभोग को स्थिर मुद्रास्फीति, उच्च प्रयोज्य आय और हाल ही में आयकर में हुए बदलावों से लाभ मिल सकता है। इसमें कहा गया कि आपूर्ति पक्ष पर जीवीए में 7.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह सेवाओं (आठ तिमाहियों में सबसे अधिक) और विनिर्माण (पांच तिमाहियों में सबसे अधिक) में मजबूत गति से प्रेरित थी। वहीं कृषि को अनुकूल निम्न आधार से लाभ हुआ। हालांकि, खनन क्षेत्र में संकुचन और मौसम संबंधी व्यवधानों के कारण बिजली क्षेत्र में धीमी वृद्धि ने समग्र वृद्धि को कम कर दिया। वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर साल–दर–साल बढ़कर 7.8 प्रतिशत हो गई। यह पिछली पांच तिमाहियों में सबसे तेज है। यह प्रदर्शन 6.6 प्रतिशत के आम सहमति अनुमान और आरबीआई के 6.5 प्रतिशत के अनुमान से कहीं बेहतर रहा।

भारत ने नियमों का पालन किया, रूसी तेल से लाभ नहीं कमाया, पीटर नवारो के बयान पर पुरी का जवाब

नई दिल्ली। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो की श्लॉन्ड्रोमैटश वाली टिप्पणी को सिरे से खारिज किया। उन्होंने साफ कहा कि भारत ने यूक्रेन युद्ध के बाद रूसी तेल खरीदने में कोई नियम नहीं तोड़ा है और भारत की ऊर्जा व्यापार नीति ने वैश्विक बाजार को स्थिर रखने और कीमतों को नियंत्रित करने में मदद की है।यहां लॉन्ड्रोमैट का मतलब संदिग्ध चीजो को वैध दिखाने की प्रक्रिया या जगह है। पुरी ने एक अंग्रेजी अखबार में लेख में लिखा कि भारत ने कोई मुनाफाखोरी नहीं की है। उन्होंने बताया कि रूस की ओर से फरवरी 2022 में यूक्रेन पर हमले से बहुत पहले से ही भारत दुनिया का चौथा सबसे बड़ा पेट्रोलियम उत्पाद निर्यातक रहा है और युद्ध के बाद भी भारत का निर्यात और मुनाफा लगभग समान बना हुआ है। उन्होंने लिखा, कुछ आलोचक आरोप लगाते हैं कि भारत रूसी तेल के लिए 'लॉन्ड्रोमैट' बन गया है। इससे ज्यादा गलत बात कुछ नहीं हो सकती। भारत की ओर से रूसी तेल का आयाद यूक्रेन युद्ध के बाद एक फीसदी से बढ़कर करीब 40 फीसदी पहुंचा, क्योंकि पश्चिमी देशों द्वारा रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों के बाद भारत को भारी छूट पर तेल मिलने लगा। इससे भारत को सस्ती उर्जा मिलती रही, लेकिन अमेरिका के डोनाल्ड ट्रंप प्रशास ने इसकी आलोचना की और भारत पर आरोप लगाया कि वह रूसी तेल को रिफाइन करके उसे यूरोप के देशो में निर्यात कर रहा है और मुनाफा कमा रहा है। पिछले हफ्ते पीटर नवारो ने एक्स पर कई पोस्ट में यूक्रेन युद्ध को श्मोदी का युद्धश बताया और कहा कि भारत रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की श्युद्ध मशीनश को फंड कर रहा है। उन्होंने भारत को एक श्तेल लॉबी के हाथों में पड़ी लोकतांत्रिक लॉन्ड्रीश बताया और प्रधानमंत्री मोदी की भगवा वस्त्रों में तस्वीर भी पोस्ट की। पुरी ने इसका जवाब दिया कि ईरान या वेनेजुएला की तरह रूसी तेल पर कोई सीधा प्रतिबंध नहीं है। उन्होंने लिखा, रूसी तेल पर जी–7 और यूरोपीय संघ की ओर से एक मूल्य सीमा व्यवस्था लागू की गई है, जिसका उद्देश्य तेल की आपूर्ति को चालू रखना और रूस की आय सीमित करना है। ऐसे 18 पैकेज लाए गए हैं और भारत ने सभी का पालन किया है। पुरी ने जोर देकर कहा कि भारत का हर लेन–देन वैध है। उन्होंने बताया कि भारत ने कानूनी जहाजरानी (शिपिंग), बीमा, प्रमाणित व्यापारियों और जांचे–परखे चौनलों के जरिए ही व्यापार किया है।

द्रविड़ को बाहर का रास्ता दिखाया गया, नई भूमिका बस दिखावा ? डिविलियर्स ने RR पर फोड़ा बम

नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स (RR) के हेड कोच पद से राहुल द्रविड़ के हटने के एक दिन बाद दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज एबी डिविलियर्स ने इस मुद्दे पर बड़ा बयान दिया है। फ्रैंचाइजी की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया कि द्रविड़ को बड़ी भूमिका देने की पेशकश की गई थी, लेकिन उन्होंने इसे स्वीकार करने से इनकार कर दिया। बयान में लिखा गया था, श्फ्रैंचाइजी के स्ट्रक्चरल रिव्यू के हिस्से के रूप में राहुल को व्यापक भूमिका दी गई थी, लेकिन उन्होंने इसे नहीं लेने का फैसला किया।श अब इस मामले पर डिविलियर्स ने बयान दिया है। उन्होंने कहा कि बड़ी भूमिका देना बस बहाना था। असली योजना द्रविड़ को बाहर का रास्ता दिखाने का था।

डिविलियर्स का बड़ा आरोप

डिविलियर्स ने अपने विचार रखते हुए कहा कि असल में द्रविड़ को टीम से बाहर का रास्ता दिखाया गया है। उन्होंने अपने यूट्यूब चौनल पर साफ शब्दों में कहा, श्मेरे नजरिए से राहुल द्रविड़ को टीम से बाहर कर दिया गया है। ऐसा नहीं लगता कि टीम का साथ छोड़ने का फैसला उनका था। राहुल द्रविड़ आईपीएल 2012 और 2013 में राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रहे और इसके बाद दो सीजन तक टीम के मेंटर के तौर पर जुड़े रहे। आईपीएल 2025 से पहले उन्हें राजस्थान रॉयल्स का हेड कोच बनाया गया था। हालांकि, उनके कोचिंग कार्यकाल में टीम का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा।

निराशाजनक सीजन और चोटिल कप्तान

आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स की टीम अंक तालिका में नौवें स्थान पर रही। टीम को 14 मैचों में से केवल चार में जीत मिली। इस खराब प्रदर्शन के पीछे कप्तान संजू सैमसन की गैरमौजूदगी भी अहम रही। सैमसन साइड स्ट्रेन की वजह से केवल नौ मैच ही खेल पाए। उनकी गैरहाजिरी में रियान पराग को कप्तानी की जिम्मेदारी दी गई, लेकिन नतीजा टीम के पक्ष में नहीं रहा।

डिविलियर्स की साफ राय

डिविलियर्स ने आगे कहा, श्द्रविड़ जैसे महान खिलाड़ी और कोच को इस तरह बाहर करना सही नहीं है। उनका खेल को लेकर नजरिया और उनकी ईमानदारी बेमिसाल रही है। मेरे ख्याल से यह कहना कि उन्होंने खुद पद छोड़ दिया, पूरी सच्चाई नहीं है।श सूत्रों के मुताबिक, आरआर की तरफ से बड़े रोल की पेशकश असल में द्रविड़ को टीम की रणनीतिक फैसलों से दूर करने का था। यानी, उन्हें टीम के कोर निर्णयों से हटाकर एक श्पद सम्मानश दिया जा रहा था, जिसे द्रविड़ ने शायद 'पनिशमेंट प्रमोशन' की तरह देखा।

द्रविड़ इस फैसले से सहमत नहीं थे!

नियमित कप्तान संजू सैमसन भी आरआर का साथ छोड़ने जा रहे हैं। ऐसे में रियान पराग संभावित कप्तान हो सकते हैं। सूत्रों की मानें तो द्रविड़, रियान को भविष्य में कप्तान बनाए जाने के फैसले से पूरी तरह सहमत नहीं थे। टीम में मौजूद यशस्वी जायसवाल और ध्रुव जुरेल जैसे खिलाड़ी ज्यादा परिपक्व और तकनीकी रूप से बेहतर माने जाते हैं। यशस्वी भले ही कप्तानी में नए हों, लेकिन उनके रन बनाने की क्षमता और अंतरराष्ट्रीय अनुभव उन्हें एक स्वाभाविक विकल्प बनाते हैं। द्रविड़, जिन्होंने हमेशा संयम, निरंतरता और प्रदर्शन को प्राथमिकता दी है, शायद एक ऐसे खिलाड़ी को कप्तानी सौंपे जाने के पक्ष में नहीं थे जो प्रदर्शन में अस्थिर रहा हो।

नीलामी में नाम दर्ज कराने के लिए अश्विन इस लीग के आयोजकों के संपर्क में, डिविलियर्स की आई प्रतिक्रिया

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले चुके दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने पुष्टि की है कि वह दो दिसंबर से चार जनवरी 2026 तक यूएई में होने वाले आईएलटी 20 के अगले सत्र की नीलामी का हिस्सा बनने के इच्छुक हैं। अगले कुछ दिनों में 39 वर्ष के होने जा रहे अश्विन ने हाल ही में आईपीएल से संन्यास लिया है जिसके बाद वह दूसरे देशों में टी20 लीग खेल सकते हैं। वहीं, दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स ने अश्विन के आईपीएल से संन्यास को लेकर प्रतिक्रिया दी है।

आईएलटी20 के संपर्क में अश्विन

भारत के लिये 287 मैचों में 765 विकेट ले चुके अश्विन के हवाले से क्रिकबज ने कहा, श्मैं आयोजकों के संपर्क में हूं। उम्मीद है कि नीलामी के लिये रजिस्ट्रेशन कराने पर मुझे कोई खरीदार मिल जाएगा।श नीलामी 30 सितंबर को दुबई में होगी और रजिस्ट्रेशन दस सितंबर तक पूरे हो जाएंगे। पहली बार आईएलटी20 में नीलामी हो रही है जबकि अब तक खिलाड़ी चुनने के लिये ड्राफ्ट व्यवस्था थी।

डिविलियर्स की अश्विन पर प्रतिक्रिया

इस बीच दक्षिण अफ्रीका के महान बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने रविचंद्रन अश्विन की प्स से अचानक विदाई के संदर्भ में अपनी भावनाएं साझा की हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि अश्विन को कभी ब्रेज नहीं छोड़ना चाहिए था, क्योंकि उन्हें अन्य फ्रेंचाइजी में कभी वह संतुष्टि और अपनापन महसूस नहीं हुआ। डिविलियर्स ने अपने लाइव सेशन में कहा, श्शानदार करियर। यह कहना ही होगा कि वह एक कमाल के खिलाड़ी थे। खेल के सच्चे वैज्ञानिकश एक डॉक्टर, एक प्रोफेसर की तरह।

उन्होंने हमेशा नियमों की किताब की हद तक जाकर खेला। ज्यादातर बार सही भी किया, भले ही कभी–कभी उनकी आलोचना हुई हो। मुझे उन खिलाड़ियों के लिए बहुत सम्मान है जो खेल का गहराई से अध्ययन करते हैं, और वह उन्हीं में से एक थे।श

श्हमेशा पीली जर्सी में ही याद करूंगाश

डिविलियर्स ने कहा, अद्भुत हुनर। भारत में वह एक बड़े खिलाड़ी और आइकॉन रहे। उन्होंने टीम इंडिया और सीएसके (चेन्नई सुपर किंग्स) के लिए वर्षों तक कई मैच जिताए। उन्होंने अन्य टीमों के लिए भी खेला, लेकिन वहां कभी जम नहीं पाए। मेरी राय में उन्हें हमेशा सीएसके के साथ ही रहना चाहिए था। हालांकि यह उनके हाथ में नहीं था, क्योंकि इसमें कई चीजें जुड़ी होती हैं, रीटेंशन की नीतियां, टीम सेलेक्शन आदि। लेकिन मैं उन्हें हमेशा पीली जर्सी वाले खिलाड़ी के रूप में ही याद करूंगा।

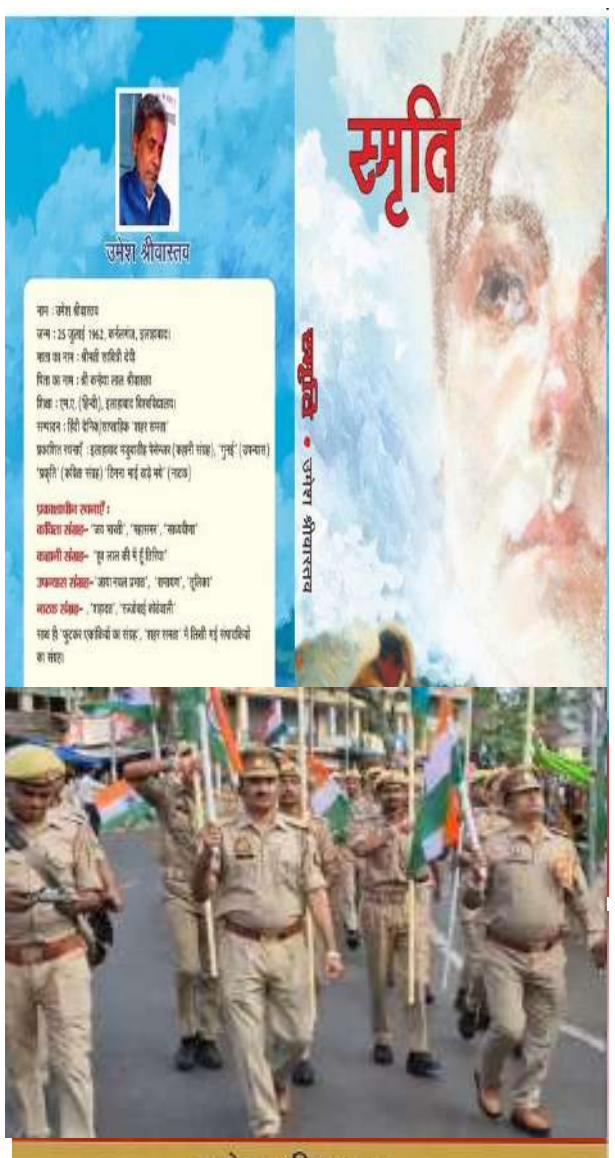

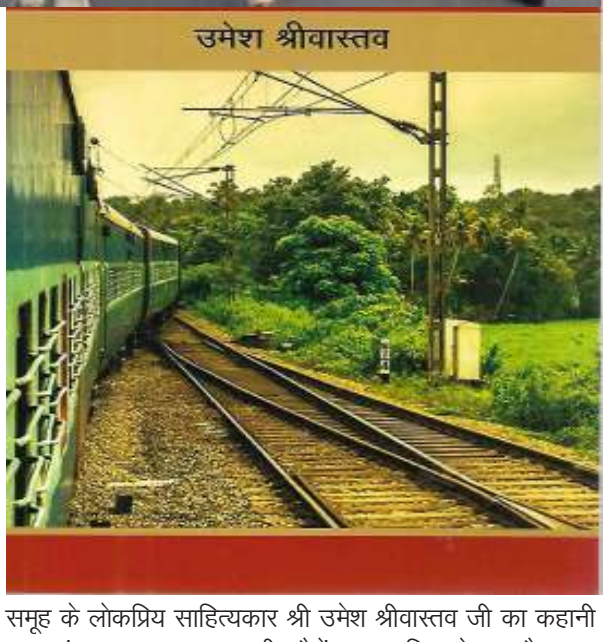

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

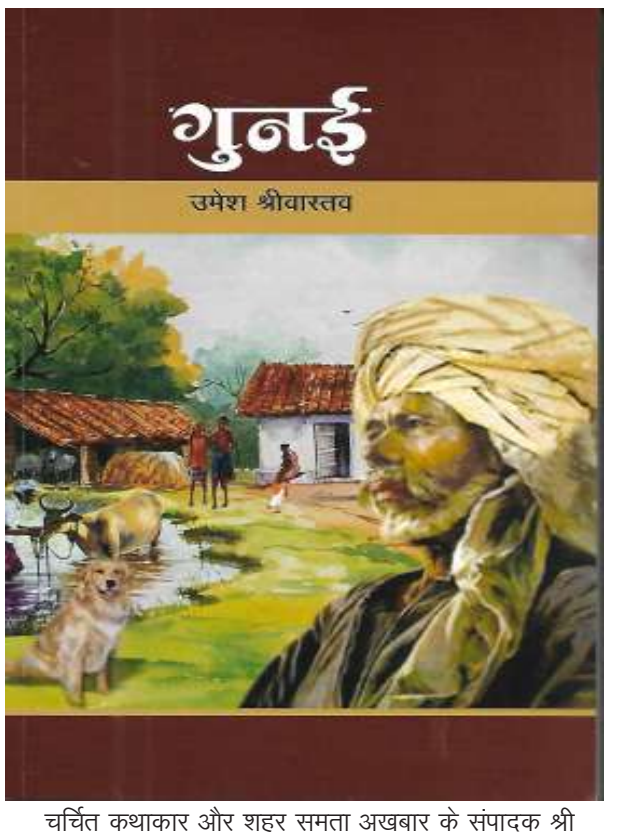

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

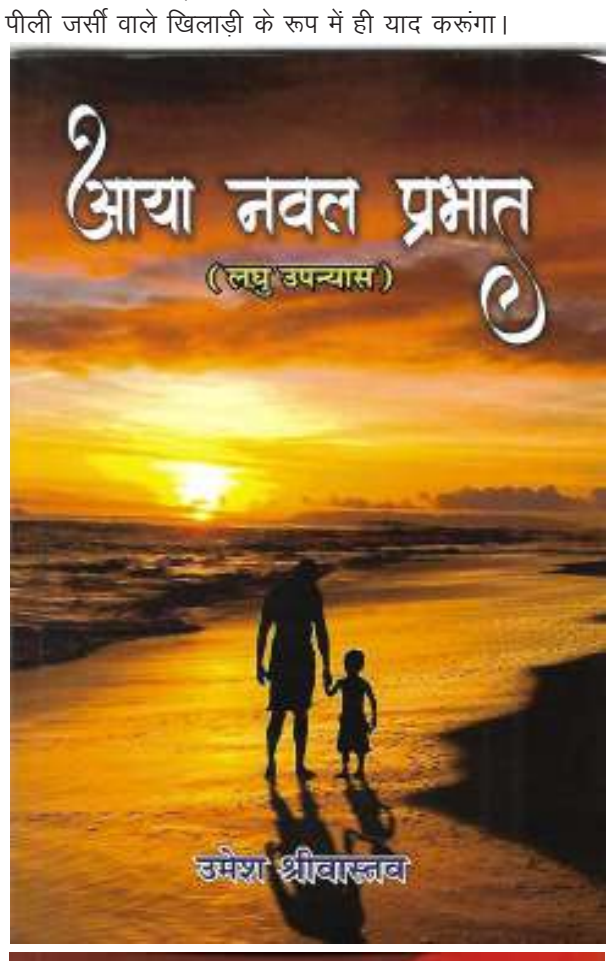

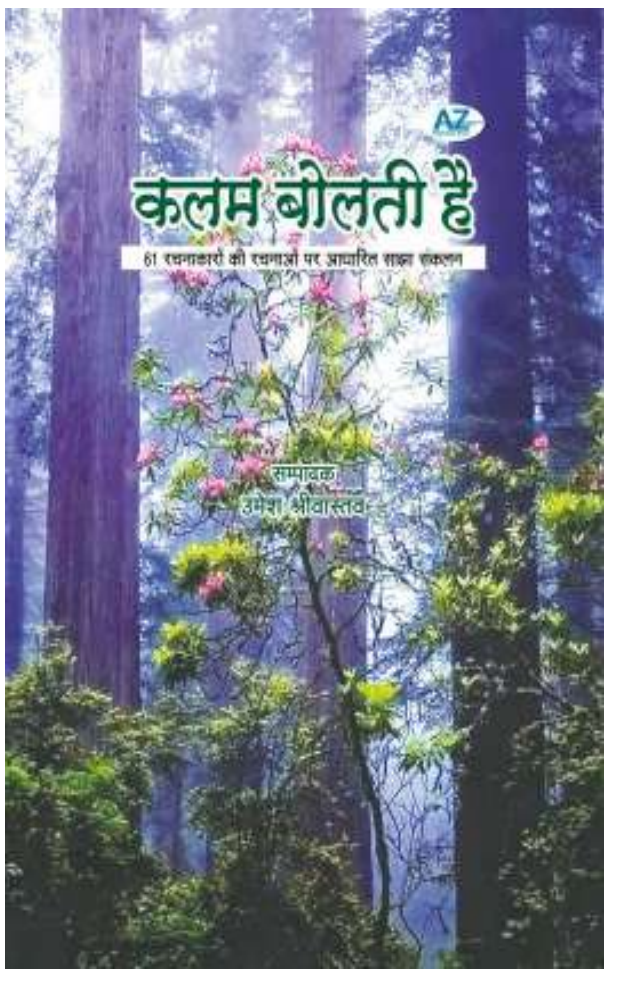

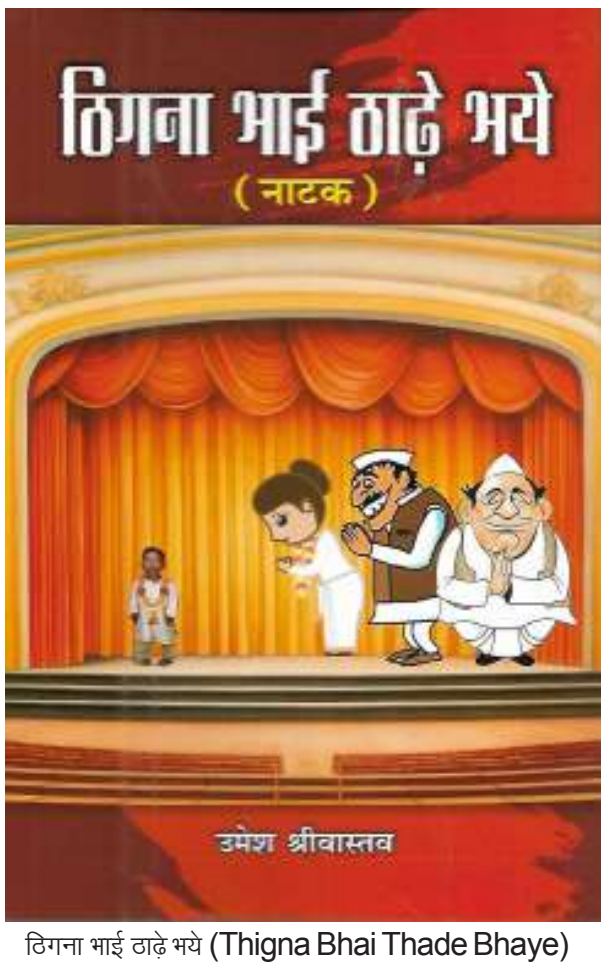

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

हूती विद्रोहियों का दावा- लाल सागर में इस्राइली तेल टैंकर को मिसाइल से बनाया निशाना, तनाव बढ़ा

दुबई। यमन के हूती विद्रोहियों ने सोमवार को कहा कि उन्होंने सऊदी अरब के तट के पास लाल सागर में एक तेल टैंकर पर मिसाइल दागी। इससे इस वैश्विक जल मार्ग पर जहाजों पर उनके हमलों की फिर शुरुआत हो सकती है। हूती सैन्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सारि ने एक रिकॉर्डेड संदेश में इस हमले की जिम्मेदारी ली। यह संदेश हूती नियंत्रित सैटेलाइट न्यूज चौनल अल-मसीरा पर प्रसारित हुआ। उन्होंने दावा किया कि यह श्स्कारलेट रेश जहाज इस्राइल से जुड़ा हुआ था। जहाज के मालिकों से तत्काल संपर्क नहीं हो सका।

ब्रिटेन की सेना के यूनाइटेड किंगडम मरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस सेंटर ने बताया कि सऊदी अरब के यानबू इलाके के पास एक जहाज ने पानी में किसी चीज के गिरने की आवाज (छपाक) और एक धमाका सुना। यह सेंटर मध्य पूर्व में जहाजों की आवाजाही पर नजर रखता है। नवंबर 2023 से दिसंबर 2024 तक हूती विद्रोहियों ने इस्राइल-हमास युद्ध के दौरान गाजा पट्टी में 100 से अधिक जहाजों को मिसाइल और ड्रोन से निशाना बनाया। अब तक अपने अभियान में हूती विद्रोहियों ने चार जहाजों को डुबाया है और आठ नाविकों की जान ली है। ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने युद्ध के दौरान एक छोटे युद्धविराम के दौरान अपने हमले बंद कर दिए थे। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर एक साप्ताहिक हवाई हमले हुए, जिसके बाद उन्होंने हूती विद्रोहियों के साथ युद्धविराम की घोषणा की। जुलाई में हूती विद्रोहियों ने दो जहाज डुबोए, जिनमें चार लोग मारे गए। हूती विद्रोहियों के ताजा हमले ऐसे समय में हुए हैं, जब इस्राइल और हमास के बीच युद्ध में युद्धविराम को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। वहीं, ईरान के विवादित परमाणु कार्यक्रम का भविष्य भी सवालों के घेरे में है। इस्राइल और ईरान के 12 दिनों तक संघर्ष चला था, जिसमें अमेरिकी बलों ने तीन ईरानी परमाणु ठिकानों पर बमबारी की थी। इस्राइल ने पिछले हफ्ते कई हवाई हमले किए, जिनमें हूती प्रधानमंत्री और कई कैबिनेट सदस्यों की मौत हुई। जहाज पर हूती विद्रोहियों का हमला उनकी प्रतिक्रिया माना जा रहा है।

संक्षिप्त

पाकिस्तानः मूसलाधार बारिश और बाढ़ से तबाही, पंजाब प्रांत सबसे ज्यादा प्रभावित

पाकिस्तान के एक बड़े हिस्से में मूसलाधार बारिश के कारण पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा प्रांतों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई और पिछले 24 घंटों में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई। रविवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। अधिकारियों के मुताबिक, बाढ़ से अब तक लाखों लोग प्रभावित हुए हैं। पंजाब प्रांत में पिछले 24 घंटों के दौरान 10 लोगों की मौत हो गयी जबकि इसी दौरान खैबर पख्तूनख्वा

प्रांत में पांच लोगों ने अपनी जान गंवाई। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) की रिपोर्ट के अनुसार, 26 जून से 31 अगस्त तक पाकिस्तान में मरने वालों की संख्या बढ़कर 854 हो गई है और 1,100 से ज़्यादा लोग घायल हुए हैं। पंजाब की सूचना मंत्री आजामा बुखारी ने रविवार को एक बयान में कहा, "पंजाब में आई भीषण बाढ़ से 20 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं जबकि सरकार ने बाढ़ में फंसे 7,60,000 लोगों और 5,00,000 से ज्यादा पशुओं को बचाया है।" पंजाब के प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) के आंकड़ों के अनुसार, लाहौर, हाफिजाबाद और मुल्तान जिलों में एक दर्जन से ज्यादा जगहों पर रविवार सुबह आठ बजे तक 24 घंटों में 60 मिलीमीटर (मिमी) से ज्यादा बारिश हुई। प्राधिकरण ने बताया कि कम से कम चार जगहों पर 120 मिमी से ज्यादा बारिश हुई। प्राधिकरण के मुताबिक, "पंजाब अब तक की सबसे भीषण बाढ़ों में से एक का सामना कर रहा है। सरकार चौबीसों घंटे व्यापक बचाव एवं राहत अभियान चला रही है।

मोदी और शी की बैठक सार्थक, अहम सहमति बनी : चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के पदाधिकारी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच रविवार को सार्थक बैठक हुई और दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने पर एक अहम सहमति बनी। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने यह जानकारी दी। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की खबर के अनुसार, सीपीसी केंद्रीय समिति के राजनीतिक ब्यूरो

की स्थायी समिति के सदस्य और शी के करीबी काई क्वी ने कहा कि चीन मित्रता बढ़ाने, पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग बढ़ाने, मतभेदों का उचित ढंग से समाधान करने और चीन-भारत संबंधों को दुरूस्त करने तथा इन्हें और प्रगाढ़ करने के लिए भारत के साथ काम करने को तैयार है। मोदी और शी की बैठक पर विदेश मंत्रालय की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि प्रधानमंत्री ने चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के पोलित ब्यूरो की स्थायी समिति के सदस्य काई के साथ भी बैठक की। प्रधानमंत्री ने द्विपक्षीय संबंधों के लिए अपने दृष्टिकोण को काई के साथ साझा किया तथा दोनों नेताओं के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए उनका समर्थन मांगा। काई ने द्विपक्षीय आदान-प्रदान बढ़ाने तथा दोनों नेताओं (मोदी और शी) के बीच बनी सहमति के अनुरूप संबंधों को और बेहतर बनाने की चीनी पक्ष की इच्छा दोहराई।

अमेरिका : न्यायाधीश ने सरकार को ग्वाटेमाला के बच्चों को निर्वासित करने से रोका

अमेरिका के एक न्यायाधीश ने अपने परिवारों के बिना सीमा पार कर देश में घुसने वाले ग्वाटेमाला के बच्चों के एक समूह को निर्वासित करने के सरकार के फैसले पर रविवार को अस्थायी रूप से रोक लगा दी। बच्चों के वकीलों ने कहा कि इन्हें रातोंरात विमानों में सवार कर दिया गया, जो प्रवासी बच्चों को सुरक्षा प्रदान करने वाले कानूनों का उल्लंघन है। मूल रूप से ग्वाटेमाला के रहने वाले 10 से 17 वर्ष की आयु के 10 नाबालिगों के वकीलों ने शनिवार देर रात अदालत में दायर की गयी। अर्जी में कहा कि ऐसी खबरें हैं कि विमान कुछ ही घंटों में मध्य अमेरिकी देश के लिए उड़ान भरने वाले थे। वाशिंगटन में एक संघीय न्यायाधीश ने कहा कि इन बच्चों को कम से कम 14 दिनों तक निर्वासित नहीं किया जा सकता। न्यायाधीश ने रविवार को जल्दबाजी में निर्धारित सुनवाई के बाद आदेश दिया कि कानूनी प्रक्रिया पूरी होने तक बच्चों को विमानों से उतारकर शरणार्थी पुनर्वास केंद्र कार्यालय वापस भेज दिया जाए। न्यायाधीश स्पार्कल एल. सूकननन ने कहा, "मैं नहीं चाहती कि इसमें कोई अस्पष्टता रहे।" उन्होंने कहा कि अदालत का यह फैसला व्यापक रूप से ग्वाटेमाला के उन नाबालिगों पर लागू होता है, जो अपने माता-पिता या अभिभावकों के बिना अमेरिका पहुंचे हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

चीन में एक ही कार में घूमते दिखे मोदी-पुतिन, इसे भेद नहीं सकती गोली, बम भी बेअसर

शंघाई कार्पोरेशन सम्मेलन से एक से बढ़कर एक तस्वीर सामने आई है और हरेक तस्वीर में भारत की ताकत दिख रही है। इसमें चीन का साथ है और रूस के साथ सबसे मजबूत दोस्ती वाला हाथ है। इसी मजबूत दोस्ती की एक और तस्वीर सामने आई जो दुनिया के कई देशों और नेताओं को बेचौन कर सकती है। वो तस्वीर जो सोशल मीडिया पर इस वक्त शेयर की जा रही है, वो इस वक्त चर्चाओं का विषय बन चुकी है। रूस और भारत के नेताओं के बीच द्विपक्षीय बैठक होनी थी। इस बैठक के लिए दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्ष एक साथ एक गाड़ी और एक काफिले में पहुंचे। ऐसा बहुत कम देखने को मिला है, जब किसी द्विपक्षीय बैठक के लिए दोनों पक्ष एक साथ बैठक के लिए पहुंचे हो। चीन के तियांनजिंग से सामने आई तस्वीर बेहद ही खास है। एससीओ की बैठके बाद प्रधानमंत्री मोदी और रूसी राष्ट्रपति पुतिन द्विपक्षीय बैठक के लिए एक साथ रवाना हुए। इस दौरान सबसे खास बात ये रही कि पीएम मोदी और रूसी राष्ट्रपति पुतिन एक ही कार में निकले। पुतिन

के साथ ही पीएम मोदी तियांनजिंग के फाइव स्टार होटल रेड स्कायर में गए। इसी होटल में दोनों नेताओं की बैठक भी हुई। बैठक से एक दूसरे के साथ दोस्ती को और बढ़ाने, गहरा करने और साझेदारी को आगे ले जाने को लेकर प्रतिबद्धता जाहिर हुई। वहीं चीन ने पीएम मोदी को एक लग्जरी कार मुहैया कराई। लेकिन वो पुतिन की ओरस कार में बैठे। चीन की तरफ से पीएम मोदी को मुहैया कराई गई कार वही है जिसका इस्तेमाल चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग खुद करते हैं। हांगची एल5 को चीन में रेड फ्लैग के नाम से जाना जाता है और ये सिर्फ टॉप लीडर्स के लिए रिजर्व होती है। आपको बता दें कि एससीओ बैठक में शामिल होने के लिए चीन पहुंचे पुतिन अपनी रूस की ओरस प्रेसिडेंशियल कार लेकर आए हैं। ये कार ओरस मोटर द्वारा बनाई जाती है। ये रेट्रो लग्जरी स्टाइल के लिए मशहूर है। कार के दरवाज़ों और जोड़ों को इस तरह मजबूत किया गया है कि गोलियां, रासायनिक पदार्थ, या बम के टुकड़े अंदर नहीं घुस सकते। यह इतना मजबूत है कि ड्रैगुनोव स्नाइपर राइफल से निकली गोली 7.62 उउ की गोली भी इसे भेद नहीं सकती। पुतिन की इसी खास गाड़ी में पीएम मोदी भी उनके साथ सवार होकर बैठक वाली जगह पहुंचे। चीनी सरकार ने उनकी कार को डिप्लोमैटिक नंबर प्लेट दी है। पुतिन की कार पर राजनयिक लाइसेंस प्लेट लगी थी। इस अनोखे कारपूल से पहले दिन में मोदी और पुतिन ने शिखर सम्मेलन स्थल पर एक-दूसरे का गर्मजोशी से स्वागत किया था। कैमरों ने इस गले मिलने की घटना को कैद कर लिया, जो सोशल मीडिया पर तेज़ी से वायरल हो गई। मोदी ने बाद में एक्स पर इस पल को और भी विस्तार से बताते हुए लिखारू राष्ट्रपति पुतिन से मिलकर हमेशा खुशी होती है! उनकी यह मुलाकात वैश्विक व्यापार और भू-राजनीति के एक संवेदनशील दौर में हो रही है। अधिकारियों ने बताया कि द्विपक्षीय वार्ता ऊर्जा साझेदारी, रक्षा सहयोग और व्यापक वैश्विक व्यवस्था पर केंद्रित होगी। मेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय निर्यात पर 50 प्रतिशत तक के भारी टैरिफ लगाए जाने के बीच, नई दिल्ली द्वारा रूस से सस्ते दामों पर कच्चा तेल खरीदने के कारण, ये चर्चाएँ और भी ज़ोर पकड़ रही हैं। ट्रंप के व्यापक संरक्षणवादी प्रयासों का हिस्सा रहे इन टैरिफों ने बाज़ारों को अस्थिर कर दिया है और शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की कार्यवाही पर भी इनका असर पड़ा है।

पाकिस्तान के लिए बहुत बड़ा सदमा है पहलगाम आतंकी हमले को लेकर एससीओ घोषित

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एससीओ शिखर सम्मेलन 2025 में अपनी सफल भागीदारी पूरी करने के बाद स्वदेश वापसी के लिए प्रस्थान किया। देखा जाये तो प्रधानमंत्री की सात सालों बाद हुई चीन यात्रा ने कई वैश्विक प्रभाव छोड़े हैं। इस दौरान भारत और चीन के रिश्तों में जहां नई गर्मजोशी आई वहीं चीन के सामने ही प्रधानमंत्री मोदी ने बीजिंग के दोस्त पाकिस्तान को जमकर लताड़ा। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक बड़ी सफलता रही कि एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान आतंकवाद के खिलाफ साझा घोषणा-पत्र ने भारत के रुख को गहराई से प्रतिबिंबित किया। हम आपको बता दें कि एससीओ सदस्य देशों ने पहलगाम आतंकी हमले की कड़े शब्दों में निंदा की। घोषणा-पत्र में कहा गया कि इस तरह की घटनाओं के आयोजकों, प्रायोजकों और सहयोगियों को सज़ा दिलाना अनिवार्य है। सभी सदस्य राष्ट्रों ने यह भी दोहराया कि आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद का इस्तेमाल किसी भी स्वार्थपूर्ण राजनीतिक या भाड़े के उद्देश्यों के लिए अस्वीकार्य है। घोषणा में स्पष्ट किया गया कि आतंकवाद के खिलाफ दोहरे मापदंड किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं हैं। इसमें यह भी जोर दिया गया कि सीमा पार से आतंकवादियों की आवाजाही को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय को गंभीरता से कदम उठाने होंगे। इससे पहले एससीओ मंच पर अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत पिछले चार दशकों से आतंकवाद की मार झेल रहा है। पहलगाम हमले का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह आतंकवाद के सबसे वीभत्स स्वरूपों में से एक था। उन्होंने उन मित्र देशों का आभार जताया, जिन्होंने इस दुख की घड़ी में भारत का साथ दिया। देखा जाये तो आतंकवाद पर एससीओ का यह संयुक्त रुख भारत की वर्षों पुरानी मांग को मजबूती देता है कि आतंकवाद को 'अच्छा-बुरा' या 'रणनीतिक-सहयोगी' की श्रेणियों में नहीं बाँटा जा सकता। इसके अलावा, "सीमा पार आतंकवाद" और "डबल स्टैंडर्ड" का जिक्र पाकिस्तान को सीधा संदेश है, भले ही उसका नाम नहीं लिया गया। साथ ही चीन, जो कई बार पाकिस्तान की आतंकवाद पर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर ढाल बना, अब एससीओ के सामूहिक स्वर में शामिल हुआ। यह भारत-चीन समीकरणों के लिहाज से महत्त्वपूर्ण है। हम आपको बता दें कि एससीओ सदस्य देश लगभग आधी दुनिया की आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। ऐसे मंच से आतंकवाद के खिलाफ सख्त स्वर भारत की कूटनीतिक जीत कही जा सकती है। देखा जाये तो मोदी ने एससीओ सम्मेलन में यह दिखा दिया कि भारत न केवल आतंकवाद से पीड़ित है बल्कि आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक नेतृत्वकारी आवाज भी है। इसमें कोई दो राय नहीं कि तियानजिन में सम्पन्न एससीओ शिखर सम्मेलन भारत के लिए केवल बहुपक्षीय कूटनीति का अवसर नहीं रहा, बल्कि आतंकवाद के मुद्दे पर वैश्विक एकजुटता हासिल करने का रणनीतिक मंच भी साबित हुआ। पहलगाम हमले की निंदा और दोहरे मापदंडों को अस्वीकार करने की घोषणा से यह स्पष्ट है कि अब अंतरराष्ट्रीय समुदाय को आतंकवाद के विरुद्ध स्पष्ट, एकरूप और ठोस रुख अपनाना ही होगा।

पुतिन से मिलने के लिए कूदकर भागे पाक पीएम शहबाज, नहीं मिला कोई भाव, 20 देशों के सामने हो गई बेइज्जती!

एससीओ समिट का मंच सज चुका है। दुनियाभर से 20 देशों के राष्ट्राध्यक्ष चीन में एकित्र हुए हैं। लेकिन इन सबमें सबसे ज्यादा वायरल पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ हो रहे हैं। लाइमलाइट से दूर चकाचौंध को खोजते हुए कैसे पाकिस्तानी पीएम हाथ पर हाथ धरे रहे। इसका वीडियो वायरल हो रहा है। दुनियाभर में चीन, रूस और भारत की दोस्ती की तस्वीरें पहुंच रही हैं। लेकिन पाकिस्तानी पीएम लाइमलाइट से दूर इंतजार करते, हाथ मलते नजर आ रहे हैं। चीन में आमंत्रित 20 देशों के राष्ट्रध्यक्षों का फोटो सेशन हो रहा था। आगे की पंक्ति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन खड़े नजर आए। चीन का सबसे खास दोस्त कहा जाने वाला पाकिस्तान तो इसमें एकदम दूर खड़ा दिखा। वहीं लाइमलाइट से दूर शहबाज शरीफ तो पुतिन से बस एक बार मिलने के लिए तरसते नजर आए। समिट के बीच सामने आई तस्वीर सबको हैरान कर रही है और ये वीडियो तेजी से वायरल भी हो रहा है। पुतिन को देखते ही एक सामान्य फैन की तरह कूद कर शहबाज शरीफ आगे बढ़ते दिखते हैं। फोटो सेशन के तुरंत बाद फोकस पुतिन की तरफ बढ़ता है। जिनपिंग और पुतिन आगे बढ़ रहे होते हैं और तभी शहबाज शरीफ एक टक उन्हें देखते हैं। रोकने की कोशिश करते हैं लेकिन फिर भी पुतिन रुकते नहीं, आगे बढ़ते हैं और फिर जब शहबाज शरीफ कूदकर आगे बढ़ते हैं तो वो जाकर पुतिन से हाथ मिला लेते हैं। अपनी इस बेइज्जती का एहसास उन्हें कुछ ही पलों में हो भी जाता है। नतीजन असहज होकर उन्होंने अपना हाथ पुतिन के कंधे तक बढ़ाया और उनकी पीठ थपथपा दी।

डियर फ्रेंड मोदी...पुतिन बोले- आज की मीटिंग के बाद और गहरे होंगे हमारे रिश्ते

25वें शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के अवसर पर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एक बहुप्रतीक्षित द्विपक्षीय बैठक की शुरुआत की, जिसमें भारत-रूस रणनीतिक संबंधों की स्थायी मज़बूती और गहराई की पुष्टि की गई। दोनों नेताओं ने अपनी साझेदारी की बहुआयामी प्रकृति पर ज़ोर दिया, जो रक्षा, ऊर्जा, व्यापार और प्रौद्योगिकी जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों तक फैली हुई है। राष्ट्रपति पुतिन ने दोनों देशों

के बीच संबंधों को सिद्धांतबद्ध और बहुआयामी बताया और कहा कि पिछले कुछ वर्षों में ये संबंध सहयोग के एक मज़बूत ढाँचे के रूप में विकसित हुए हैं। द्विपक्षीय एजेंडे को मज़बूत करने में इस बैठक के महत्व पर प्रकाश डालते हुए पुतिन ने कहा कि आज की वार्ता हमारे संबंधों को और मज़बूत व विस्तारित करने का एक और अच्छा अवसर प्रदान करती है। उन्होंने वैश्विक दक्षिण और पूर्व के देशों को एकजुट करने के लिए एससीओ मंच की भी सराहना की और बहुपक्षीय सहयोग के महत्व को रेखांकित किया। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात पर प्रसन्नता व्यक्त की और शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) को वैश्विक दक्षिण और पूर्वी देशों को एकजुट करने के एक मंच के रूप में रेखांकित किया। उन्होंने भारत-रूस की विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी की आगामी 15वीं वर्षगांठ का उल्लेख किया और कहा कि इस द्विपक्षीय बैठक से उनके बहुआयामी संबंधों को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। क्रेमलिन वीडियो फुटेज के अनुसार, द्विपक्षीय वार्ता के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री मोदी को अपना प्रिय मित्र कहा और कहा कि उनके संबंध गतिशील रूप से विकसित हो रहे हैं। तियानजिन में पुतिन के साथ द्विपक्षीय बैठक के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने यूक्रेन में हाल के शांति प्रयासों का स्वागत किया तथा सभी पक्षों से शीघ्र समाधान और स्थायी शांति की दिशा में रचनात्मक रूप से आगे बढ़ने का आग्रह किया।

मोदी के लिए जिनपिंग ने निकाली अपनी फेवरेट कार, रेड फ्लैग के नाम से मशहूर

तियांगजिन में चल रहे शंघाई सहयोग संगठन समिट के दौरान पीएम मोदी का स्वागत बेहद ही खास अंदाज में किया है। दो दिन की इस यात्रा के लिए उन्हें चीन की सबसे प्रेस्टिजियस प्रेसिडेंशियल कार हांगची एल5 मुहैया कराई गई। ये वही कार है जिसका इस्तेमाल चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग खुद करते हैं। हांगची एल5 को चीन में रेड फ्लैग के नाम से जाना जाता है और ये सिर्फ टॉप लीडर्स के लिए रिजर्व होती है। इसे सरकारी कंपनी एफएडब्ल्यू फर्स्ट ऑटोमोटि वर्कस बनाती है, जिसने 1958 में अपनी पहली कार लॉन्च की थी। खासतौर पर कम्युनिस्ट पार्टी के नेताओं के लिए। दिलचस्प बात ये है कि 2019 में जब शी जिनपिंग भारत आए थे तब उन्होंने इसी हांगची कार का इस्तेमाल किया था। अब वही सवारी पीएम मोदी के लिए उपलब्ध करवाकर चीन ने खास कूटनीतिक संकेत दिया है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।